

मोपाल

16 अक्टूबर 2026

शुक्रवार

आज का मौसम

 32.8 अधिकतम

 17.6 न्यूनतम

एलन मस्क को भारतीय बाजार भी चाहिए और राहुल गांधी का समर्थन भी!

एलन मस्क को केवल दुनिया के सबसे चर्चित कारोबारी के रूप में देखना शायद पर्याप्त नहीं होगा। वह अमेरिकी राजनीति में भी एक प्रभावशाली खिलाड़ी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को समर्थन देने के लिए मस्क जिस पैमाने पर धन खर्च कर रहे हैं, उसने अमेरिका में भी बड़े कारोबारियों के राजनीतिक प्रभाव और उनके व्यावसायिक हितों के रिश्ते पर बहस छेड़ दी है। अक्टूबर 2026 की रिपोर्टों के मुताबिक, मस्क ने अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी की मदद के लिए जुलाई से अब तक 276 मिलियन डॉलर से अधिक खर्च किए हैं। यह रकम केवल किसी राजनीतिक विचारधारा के प्रति समर्थन का संकेत है या उन नीतिगत परिस्थितियों को प्रभावित करने का माध्यम भी है जिनमें मस्क की कंपनियां कारोबार करती हैं,



प्ररंगवरा

राजेश सिरोठिया

प्रतिस्पर्धा की वकालत और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न

राहुल गांधी का मस्क के समर्थन में उतरना भी सवाल पैदा करता है। मस्क ने अंबानी को भारत का असली बॉस बताने वाला तंज कसा और राहुल ने उनका भारत में स्वागत करते हुए जवाब दिया कि दूसरे व्यक्ति को जानने के बाद उनकी राय बदल सकती है। इस संवाद में राजनीतिक व्यंग्य है, लेकिन इसके कारोबारी और रणनीतिक निहितार्थ भी हैं। राहुल गांधी को भारतीय कॉरपोरेट जगत में एकाधिकार, राजनीतिक संरक्षण और अनुचित लाभ के सवाल उठाने का पूरा अधिकार है। यदि जियो या एयरटेल को किसी मामले में अनुचित लाभ मिला है, तो उसका प्रमाण सामने आना चाहिए और जांच होनी चाहिए। लेकिन क्या भारतीय कंपनियों पर सवाल उठाने का अर्थ विदेशी कंपनी के पक्ष में खड़े हो जाना भी है? क्या प्रतिस्पर्धा की वकालत करते समय राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रश्न गौण हो जाने चाहिए?

यह सवाल अमेरिका में भी उठ रहा है। अब इसी कारोबारी की कंपनी स्टारलिनक भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं शुरू करना चाहती है। तकनीक का स्वागत होना चाहिए, प्रतिस्पर्धा भी बढ़नी चाहिए और भारतीय उपभोक्ताओं को बेहतर विकल्प भी मिलने चाहिए। लेकिन क्या इतना पर्याप्त है? क्या किसी विदेशी कंपनी को भारत के विशाल बाजार में प्रवेश देते समय उसके मालिक के कारोबारी प्रभाव के साथ-साथ उसके राजनीतिक संबंधों और कंपनी पर विदेशी सरकार के संभावित प्रभाव का आकलन नहीं होना चाहिए? सैटेलाइट इंटरनेट सामान्य दूरसंचार सेवा भर नहीं है। सीमावर्ती क्षेत्रों, सामरिक प्रतिष्ठानों और दूरदराज के इलाकों में इसकी उपयोगिता जितनी अधिक है, सुरक्षा के लिहाज से इसकी संवेदनशीलता भी उतनी ही गंभीर है। यदि किसी विदेशी कंपनी के नेटवर्क का इस्तेमाल भारतीय सीमाओं के निकट संचार के लिए होता है, तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारतीय उपभोक्ताओं का डेटा कहां संसाधित होता है, नेटवर्क का संचालन किसके नियंत्रण में है और संकट की स्थिति में सेवाओं को नियंत्रित करने का अंतिम अधिकार किसके पास रहेगा।

यहां एक सवाल और जुड़ता है। यदि अमेरिका और भारत के रणनीतिक हितों में कभी टकराव की स्थिति पैदा हो जाए, तो क्या भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के पास किसी विदेशी कंपनी के नेटवर्क पर पर्याप्त नियंत्रण होगा? क्या कंपनी को अमेरिकी सरकार की ओर से डेटा साझा करने, सेवाएं जारी रखने या उन्हें रोकने के लिए दबाव का सामना करना पड़ सकता है? ये संभावित जोखिम हैं, किसी सिद्ध जासूसी गतिविधि के आरोप नहीं। लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा की नीति संभावित खतरों की अनदेखी करके नहीं बनाई जा सकती। भारत ने इसी वजह से सैटेलाइट संचार कंपनियों के लिए सुरक्षा संबंधी शर्तें निर्धारित की हैं। ये शर्तें केवल स्टारलिनक के लिए नहीं, बल्कि जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस और यूटेलसैट वनवेब जैसी कंपनियों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

फिर एलन मस्क की भारतीय नियामकीय प्रक्रिया पर सार्वजनिक आपत्ति और मुकेश अंबानी पर

उनका तंज किस दिशा में संकेत करते हैं? क्या वह केवल प्रतिस्पर्धा के लिए समान अवसर मांग रहे हैं, या चाहते हैं कि भारत उनकी कंपनी की व्यावसायिक अपेक्षाओं के अनुरूप नियमों को देखे? इसका उत्तर आरोपों से नहीं, बल्कि वास्तविक नियामकीय प्रक्रिया और दस्तावेजों से मिलना चाहिए।

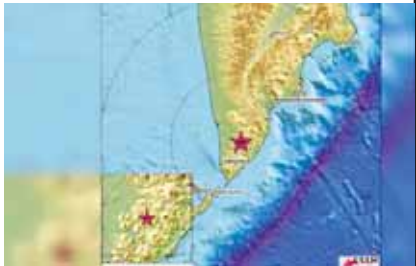
और यदि मस्क अमेरिकी राजनीति में ट्रम्प की पार्टी को मजबूत करने के लिए इतनी बड़ी रकम लगा सकते हैं, तो क्या भारत को यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि उसकी संवेदनशील संचार व्यवस्था किसी ऐसे विदेशी कारोबारी के परिचालन संबंधी निर्णयों पर निर्भर न हो जाए, जिन पर भारतीय सरकार का पर्याप्त नियंत्रण न हो? मुद्दा अंबानी बनाम मस्क नहीं है। मुद्दा यह है कि भारतीय बाजार में कारोबार करने वाली हर कंपनी के लिए नियम समान हों, सुरक्षा से कोई समझौता न हो और राष्ट्रीय हित किसी कारोबारी की राजनीतिक पहुंच के आगे छेड़ा न पड़ जाए। ऐसे में राहुल गांधी को भी स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी प्राथमिकता निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय सुरक्षा है, या सरकार पर राजनीतिक हमला करने का अवसर।

न्यूज विडो

पीएम मोदी 11 दिसंबर को कनाडा जाएंगे, ट्रेड डील पर बातचीत होगी

नई दिल्ली/टोरंटो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 से 12 दिसंबर तक कनाडा के दौर पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की संभावना भी है। इसके तहत दो देश व्यापार, निवेश और कारोबार बढ़ाने के लिए नियम तय करते हैं। भारत और कनाडा 2030 तक आपसी कारोबार को बढ़ाकर सालाना 7 लाख करोड़ रूपए करना चाहते हैं। अभी दोनों देशों के बीच करीब 3 लाख करोड़ रूपए का व्यापार होता है।

रूस के कामचटका में 7 तीव्रता वाला शक्तिशाली भूकंप



कामचटका। रूस के कामचटका प्रायद्वीप में आज 7 तीव्रता का भूकंप आया। यूरोपियन-मेडिटरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के भूकंप 152 किमी की गहराई में आया। फिलहाल वहां सुनामी का खतरा नहीं है और जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। पिछले साल 30 जुलाई को रूस के कामचटका प्रायद्वीप के तट के पास 8.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। यह 2025 का सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इसके बाद आई सुनामी ने तटीय इलाकों में तबाही मचाई और एक गांव का कुछ हिस्सा समुद्र में बह गया।

मणिपुर के इंफाल में तैनात 75 बीएसएफ जवानों को फूड पॉइजनिंग डम्पफाल।

यहां के रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 78 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें बॉर्डर सिक्वोरिटी फोर्स (बीएसएफ) के 75 जवान और तीन आम नागरिक शामिल हैं। इन सभी को फूड पॉइजनिंग हो गई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक इन सभी ने खाने में आलू की सब्जी और पुरियां खाई थीं। मेडिकल सुपरिंटेंडेंट प्रोफेसर डॉ. रामेश्वर सिंह ने बताया कि नाश्ता करने के बाद इन लोगों को बार-बार उल्टी होने लगी, जिसके बाद इन्हें अस्पताल के आउटपैशेंट डिपार्टमेंट में लाया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ का विपक्ष पर हमला... वे सिर्फ अराजकता चाहते हैं

युवाओं को मोहरा बनाकर बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता बदलने की साजिश

लखनऊ, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सत्ता परिवर्तन के दावे को लेकर विपक्ष और इंडिया ब्लॉक पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष अराजकता से सत्ता हासिल करना चाहता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक हितों के लिए भारत की संवैधानिक संस्थाओं की बलि नहीं दी जा सकती। झूठा आक्रोश दिखाकर, संस्थाओं को बदनाम करने की कोशिश करके और राजनीतिक अवसरवाद के जरिए भारत की विकास यात्रा को प्रभावित नहीं किया जा सकता। राहुल गांधी को बाधा डालने वाली राजनीति करने के बजाय, जन-जनादेश का सम्मान करना चाहिए और अपनी राजनीतिक भूमिका पर आत्म-चिंतन करना चाहिए।

रक्षा मंत्री ने कहा, देश के युवाओं को अराजकता की राजनीति में मोहरे की तरह इस्तेमाल करने की कोशिशें हो रही हैं। कुछ लोग बांग्लादेश की घटनाओं की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। खुलेआम स्वीकार करते हैं कि उन्हें बांग्लादेश के हालात से प्रेरणा मिली है, वहीं कुछ अन्य लोग बेशर्मी से सरकार को गिराने की मांग कर रहे हैं। इससे यह साफ हो जाता है कि उनका एकमात्र एजेंडा लोकतांत्रिक संस्थाओं को नष्ट करना है, देश में आग लगाना है। उनकी लड़ाई चुनावी सुधार के लिए नहीं है, न ही यह एसआईआर या ज्ञानेश कुमार से जुड़ी है। यह देश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी नहीं है बल्कि, यह देश में अराजकता फैलाकर सत्ता हथियाने की एक साजिश है।

राजनीतिक हितों के लिए संवैधानिक संस्थाओं की बलि नहीं दी जा सकती



कॉकरोच पार्टी की आज तिरंगा रैली कड़ी सुरक्षा, 28 हजार जवान तैनात

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी आज शाम 5 बजे दिल्ली में कर्नॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में 'लहरा दो तिरंगा' रैली करने जा रही है। पार्टी की मांग मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की है। साथ ही, वह आशुतोष रांका और सीरव दास को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने का विरोध करेगी। हालांकि, कर्नॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में 6 हजार पुलिसकर्मी और सीएपीए के 22 हजार जवान तैनात किए गए हैं। इन इलाकों में बीएनएस की धारा 163 लागू है। दिल्ली नगरपालिका ने सेंट्रल पार्क को आज और कल आम लोगों के लिए बंद रखने का फैसला किया है। उधर सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने अपनी गिरफ्तारी की आशंका जताई है। उन्होंने गुरुवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि दिल्ली पुलिस उन्हें सुबह तक गिरफ्तार कर सकती है। अभिजीत ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कर आरोप लगाया कि सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी उनका पीछा कर रहे हैं। उन्होंने कहा-मैं नरेंद्र मोदी से कहना चाहता हूं कि हम इससे डरने वाले नहीं हैं।

एनएसयूआई अध्यक्ष जाखड़ हिरासत में

दिल्ली पुलिस ने एनएसयूआई अध्यक्ष विनोद जाखड़ और कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। वे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। कांग्रेस से जुड़े छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि उसकी महिला कार्यकर्ताओं से 10 अक्टूबर के प्रदर्शन के दौरान मारपीट की गई थी। संगठन ने आरोपी महिला पुलिस अधिकारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। सदस्य इसी मांग को लेकर धरने पर बैठे थे। संगठन ने कहा कि बुधवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मिलने के बावजूद शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई।

दिवशा मामला: भोपाल कोर्ट में ट्रायल पर स्टे



भोपाल/नई दिल्ली। मॉडल-अभिनेत्री दिवशा शर्मा की मौत से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज सुनवाई करते हुए भोपाल कोर्ट की ट्रायल पर रोक लगा दी। शीर्ष कोर्ट अब इस मामले में दो हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। दिवशा के पिता नवनिधि शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर मामले की सुनवाई भोपाल के बजाए दिल्ली में कराने की मांग की थी। शर्मा ने तर्क दिया था कि दिवशा की सास गिरिबाला सिंह जज रही हैं। पति वकील हैं। भोपाल में केस प्रभावित हो सकता है।

संसद का स्पेशल सेशन... महिला आरक्षण- परिसीमन बिल आने की संभावना



नई दिल्ली। केंद्र इसी महीने संसद में परिसीमन और महिला आरक्षण पर विशेष सत्र बुला सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार इससे जुड़े बिल फिर से आगे बढ़ाना चाहती है। सुर्जों का कहना है कि सरकार को सदन में अपने संस्था बल पर भरोसा है। विशेष सत्र बुलाने से करीब एक हफ्ते पहले इसकी सूचना दी जा सकती है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को खत्म हुआ था, लेकिन इसका अब तक सत्रावसान नहीं किया गया है। मानसून सत्र की अंतिम बैठक 13 अगस्त को हुई थी। इसके दो महीने बाद अब तक सेशन औपचारिक रूप से खत्म होने की घोषणा नहीं हुई है। दोनों सदनों यानी लोकसभा और राज्यसभा के बिना सत्रावसान रहने की यह सबसे लंबी अवधि है। इससे पहले 1989 में दोनों सदन 63 दिन ऐसी स्थिति में रहे थे।

विश्व रीढ़ दिवस पर विशेष कमर दर्द अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं, युवा और कामकाजी लोग भी इससे परेशान

रीढ़ की सेहत जरूरी, दर्द के बड़े खतरे से बचाएंगी छोटी आदतें

जि तना शरीर के लिए भोजन और पानी जरूरी है, उतना ही स्वस्थ रहने के लिए मांसपेशियों और जोड़ों का सक्रिय रहना भी आवश्यक है। रीढ़ की हड्डी हमारे शरीर का प्रमुख आधार है। बैठने, खड़े होने, चलने, झुकने और मुड़ने जैसी रोजमर्रा की गतिविधियों में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। रीढ़ का स्वास्थ्य बिगड़ने पर न केवल कमर और पीठ में दर्द होता है, बल्कि व्यक्ति की कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित हो सकती है। 'लासेट रूमाटोलॉजी' जर्नल में प्रकाशित



सिडनी विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के एक अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2020 में दुनिया में कमर दर्द से पीड़ित लोगों की संख्या लगभग 61.9 करोड़ (विश्व आबादी का 8%) दर्ज की गई थी। यदि यही स्थिति रही, तो 2050 तक यह आंकड़ा बढ़कर 84

पोषण और सक्रियता जरूरी

भोजन में हरी सब्जियां, फल, प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर खाद्य पदार्थ शामिल करें। विटामिन-डी की कमी की आशंका होने पर चिकित्सकीय सलाह से जांच और उपचार कराएं। धूम्रपान से बचें और शरीर के वजन को संतुलित रखने का प्रयास करें। यदि कमर दर्द के साथ पैरों में कमजोरी, बढ़ती सुन्नता, पेशाब या मल पर नियंत्रण में परेशानी अथवा जांघों के बीच के हिस्से में संवेदना कम होने जैसे लक्षण हों तो तत्काल चिकित्सा सहायता लें।

करोड़ से अधिक हो सकता है। कमर दर्द अब केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है। युवा और कामकाजी उम्र के लोग भी इससे परेशान हैं। लंबे समय तक एक ही स्थिति में बैठना, गलत तरीके से वजन उठाना, मोटापा, धूम्रपान और पोषण की कमी इसके प्रमुख जोखिम कारकों में शामिल हैं।

शुरुआत में दर्द को मामूली समझकर लगातार नजरअंदाज करना या बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाएं लेते रहना उचित नहीं है। हर कमर दर्द में ऑपरेशन की जरूरत नहीं होती। कई मामलों में सही व्यायाम, फिजियोथैरेपी, दैनिक गतिविधियों में बदलाव और देखरेख से राहत मिल सकती है।

उपचार का तरीका दर्द के कारण, उसकी अवधि और व्यक्ति की स्थिति के अनुसार तय होना चाहिए। छोटी आदतें, बड़ा बचाव: रीढ़ को स्वस्थ रखने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि सबसे महत्वपूर्ण आदतों में से एक है। काम के दौरान बीच-बीच में उठकर चलें और लंबे समय तक एक ही मुद्रा में न बैठें। बैठते समय पीठ को उचित सहारा दें और कंप्यूटर या मोबाइल का इस्तेमाल करते समय गर्दन को लगातार झुकाकर रखने से बचें। ऑफिस में क्षमता के अनुसार कुछ देर पंजों के बल खड़े होना, धीरे-धीरे कंधों को खींचना और महरी सांस लेना उपयोगी गतिविधियां हो सकती हैं।

आज का कार्टून



पंडालों में उमड़ रही आस्था, हर तरफ मां के जयकारे

भोपाल। नवरात्रि में राजधानी के कैलाश नगर, शांति नगर, दुर्गा नगर, सेमरा और संजीव नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में मां दुर्गा के पंडालों का आकर्षण देखते ही बन रहा है। पंडालों में मां की मनमोहक प्रतिमाएं देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो रहे हैं। सुबह माता की पूजा, शंख और घंटे की ध्वनि के बीच मां की आरती में बड़ी तादाद में भक्त पहुंच रहे हैं। शाम होते ही घंटियों, शंखनाद और मां के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो रहा है। जगह-जगह भजन-कीर्तन और देवी जागरण के आयोजनों में आस्था हिलोरे ले रही हैं। बच्चों का उत्साह तो देखते ही बन रहा है।

संत हिरदाराम नगर में श्रीदुर्गा काली उत्सव समिति के पंडाल में मां काली का भव्य आगमन हुआ। माता के दर्शन के लिए बड़ी तादा में श्रद्धालु उमड़ें। इस दौरान म्यूजिक मंत्रा डीजे संचालक जौतू भी पहुंचे।



न्यूज विंडो

धैर्य, तप और आत्मबल का प्रतीक है नवरात्र महोत्सव: आचार्य निलिम्प

भोपाल। महर्षि संस्थान में वेद विद्या मार्तंड ब्रह्मचारी डॉ. गिरीश के मार्गदर्शन में आयोजित श्रीमद् देवी भागवत महापुराण कथा के पांचवें दिन कथा व्यास आचार्य डॉ. निलिम्प त्रिपाठी ने मां जगदंबा की महिमा, शक्ति और साधना के विभिन्न पहलुओं का वर्णन किया। उन्होंने धैर्य, तप व आत्मसंयम का महत्व बताते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियां साधक की परीक्षा होती हैं और इन्हीं से आत्मबल विकसित होता है। कथा में प्रकृति संरक्षण और सकारात्मक व्यवहार पर भी दृष्टांत दिए गए। प्रारंभ में मां भगवती की भव्य आरती एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन हुआ। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों और मातृशक्ति ने कथा श्रवण कर प्रसाद ग्रहण किया।



आशिरामा मॉल के सामने जाम, निगम ने किया आठ ट्रक सामान जब्त

भोपाल। होशंगाबाद रोड स्थित ओशिरामा मॉल के सामने एक सप्ताह से जाम लग रहा था। यह जाम सड़क के दोनों ओर हुए अतिक्रमण के कारण लग रहा था। नगर निगम ने करीब तीन घंटे अभियान चलाकर 8 ट्रक भरकर सामान जब्त किया। इलाके में अवैध हॉकरों को नरत बन रहा था। फास्ट फूड के टेले और गुमटियां बढ़ रही थीं। रहवासियों के मुताबिक ज्यादातर कच्चे स्थानीय नेताओं के कहने पर हो रहे थे। अतिक्रमण प्रभारी शैलेंद्र भदौरिया ने बताया, पहले भी यहां अतिक्रमण हटाया गया था।

हाउसिंग फॉर ऑल में पदस्थ दो सविदाकर्मीयों की सेवाएं समाप्त

भोपाल। नगर निगम के हाउसिंग फॉर ऑल में पदस्थ दो सविदाकर्मीयों की सेवाएं 30 सितंबर को पूरी हो गई हैं। इसके बाद भी वे 15 दिन से काम कर रहे थे। एमआईसी ने भी उनकी सेवावृद्धि नहीं की। निगम ने दोनों सविदाकर्मीयों को वाहन सेवा भी उपलब्ध करवा है। दरअसल, नगर निगम के हाउसिंग फॉर ऑल शाखा में अर्बन प्लानर के रूप में राजीव कुमार और पीपीपी एक्सपर्ट धीरेन्द्र डरमलिया लंबे समय से सविदाकर्मी की रूप में सेवाएं दे रहे थे। उन्हें नौकरी से हटा दिया गया।

तीन रेस्टोरेंट में जांच, लिए सैंपल फूड सेफ्टी टीम ने की जांच, कंट्रीसाइड मीडोज की किचन में मिली गंदगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

त्योहारों को देखते हुए खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने तीन होटल-रेस्टोरेंट में निरीक्षण किया। रसोई देखी, खाने-पीने के सामान और स्वच्छता की स्थिति देखी। कई जगहों से सैंपल भी लिए। केरवा डेम रोड स्थित बारी एयर डाइन-इन रेस्टोरेंट से पनीर व मूंगफली दाना के सैंपल गुणवत्ता परीक्षण के लिए। किचन का निरीक्षण किया तो कर्मचारियों की मेडिकल जांच का रिकॉर्ड नहीं था। टीम ने कंट्रीसाइड मीडोज के किचन एवं खाद्य पदार्थों के भंडारण की व्यवस्था की जांच की। बटर-पनीर के सैंपल लिए। किचन में पर्याप्त सफाई नहीं थी। टमाटर के भंडारण की व्यवस्था नहीं थी। टीम ने नोटिस थमाया है। कर्मियों के संबंध में टीम ने संचालक को नोटिस जारी किया।



सबाया रेस्टोरेंट में सदिग्ध खाद्य पदार्थ के लिए सैंपल

केरवा डेम रोड स्थित सबाया रेस्टोरेंट के किचन की स्वच्छता एवं सैनिटरी व्यवस्था भी अच्छी नहीं दिखी। कुद खाद्य पदार्थ सदिग्ध अवस्था में पाए जाने पर बेसन एवं मोटी मैया के सैंपल लिए। सैंपलों को नियमानुसार प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा जाएगा। अफसरों का कहना है कि जांच रिपोर्ट में गड़बड़ी मिलने पर लाइसेंस तक रद्द किए जा सकते हैं।

सुरक्षा की पहल: बैरागढ़ एसडीएम बोले-कोर्ट का स्टे हटते ही होगी कार्रवाई

हलालपुरा पटाखा मार्केट के 15 दुकानदारों को थमाया नोटिस

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर की सुरक्षा को देखते हुए इस बार जिला प्रशासन हलालपुरा पटाखा मार्केट को लेकर बड़ी कार्रवाई करेगा। बैरागढ़ एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव ने 15 पटाखा कारोबारियों के खिलाफ आदेश जारी किया है। इसमें कहा है, कोर्ट से स्टे हटते ही बाजार को शिफ्ट किया जाएगा। तब तक सुरक्षा के लिहाज से दुकानदारों को 13 शर्तों का पालन करना होगा। एसडीएम श्रीवास्तव ने हलालपुरा मार्केट स्थित 15 आतिशबाजी दुकानों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अंतर्गत धारा 152 के अंतर्गत जन सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए लोक नुर्सेस घोषित किया है। अभी जबलपुर हाईकोर्ट में इस संबंध में 12 रिट पेटिशन व 8 अवमानना केस लंबित हैं। इसमें कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रखा है। हाईकोर्ट ने इन प्रकरणों में स्टे भी दिया है। स्टे हटते ही दुकानों को अन्यत्र शिफ्ट किया जाएगा।

एसडीएम ने हाईकोर्ट के आदेश आने तक पटाखा मार्केट के कारोबारियों पर 13 शर्तें लगाई हैं। इसके उल्लंघन पर दुकानदार को 6 माह कैद होगी। तहसीलदार, निगम के उपायुक्त और थाना प्रभारी को नियमों का पालन कराने का आदेश दिया है। दुकानदारों को अग्नि सुरक्षा की मॉक ड्रिल, विद्युत सुरक्षा व फायर एनओसी आदि एसडीएम कोर्ट में पेश करनी होगी।

13 शर्तों का पालन कराने तहसीलदार-निगम को निर्देश



नियमों का पालन करना पड़ेगा

एसडीएम ने आदेश में साफ कहा है कि शर्तों के अनुसार दुकानदारों को विस्फोटक अधिनियम का पूर्णतः पालन करना होगा। अग्नि सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा, ट्रैफिक मैनेजमेंट, भीड़ नियंत्रण के साथ ही राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के जारी निर्देशों का पालन करना पड़ेगा। तय डेसीबल सीमा से अधिक वाले पटाखे कार्बाइड गन आदि बेचने पर प्रतिबंध होगा।

हो सकती है बड़ी जनहानि

एसडीएम ने आदेश में लिखा-12 जून 2026 की रात में सोनी पटाखा दुकान में भीषण आग लग चुकी है। उसके पास में पेट्रोल पंप भी है। जहां आग लगते-लगते बची। दिन में आग लगती तो बड़ा हादसा हो सकता था। पटाखा मार्केट में आए दिन अग्निकांड होती है। यही से भोपाल-इंदौर के बीच बसों का संचालन भी होता है।

2024 में बताया था खतरनाक

वर्ष 2024 में हरदा की पटाखा फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट के बाद भोपाल की पटाखा फैक्ट्री, गोदाम, दुकानों की जांच भी की गई थी। कहीं स्टॉक से अधिक पटाखे मिले थे। तब एसडीएम ने लिखा था कि हलालपुर स्थित पटाखा मार्केट 'बारूद के ढेर' पर है।

- आरके पटाखा, संचालक आसनदास चंदनानी
- महादेव फायर वर्क्स, संचालक दीलतराम
- राज फायर वर्क्स, संचालक इमरान खान
- अबिका फायर वर्क्स, संचालक मूलचंद रामचंदानी
- इंडियन फायर वर्क्स, संचालक मोहम्मद शाफीक
- जय दुर्गा पटाखा वर्क्स, संचालक बिशन दास
- तज फायर वर्क्स, संचालक मोहम्मद शाहिद
- महालक्ष्मी फायर वर्क्स, संचालक हरीश कुमार छुगानी
- एमपी फायर वर्क्स, संचालक मोहम्मद नफीज
- दीपक फायर वर्क्स, संचालक मनोज जसवानी
- जैन पटाखा, संचालक धर्मेन्द्र जैन
- कालू पटाखा, संचालक कोमल गोपालनी
- मधुर फायर वर्क्स, संचालक हंस कुमार
- सोनी पटाखा, संचालक संजय सोनी
- नेशनल पटाखा, संचालक मोहम्मद अकरम खान

शाहपुरा पुलिस ने दर्ज किया केस, जांच शुरू

पार्ट टाइम जॉब का झांसा देकर कर्मचारी से 1.80 लाख की ठगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पार्ट टाइम जॉब से अच्छी कमाई का लालच देकर साइबर जालसाज ने शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज के कर्मचारी से 1.80 लाख रुपए की ठगी की है। शाहपुरा पुलिस ने धोखाधड़ी का केस दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक पल्लवी नगर के विनोद गुप्ता (49) शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में कार्यरत हैं। उनके पास अनजान नंबर से कॉल आया था। फोन करने वाले ने उन्हें पार्ट टाइम जॉब के जरिए अच्छी कमाई होने का झांसा दिया। उस समय विनोद ने काम करने से इनकार कर दिया था। अगले दिन आरोपी ने दोबारा फोन किया तो उन्होंने खाली समय में काम करने के बारे में सोचा।

ऐशबाग में हादसा

सैर को निकला बुजुर्ग ट्रेन की चपेट में आया, मौत



बैंक खाता हो गया खाली

बातचीत में आरोपी ने बताया कि कंपनी का प्रमोशन करने ऑनलाइन रेटिंग देनी होगी। रेटिंग के आधार पर भुगतान होगा। इसके बाद विनोद ने काम शुरू कर दिया। इसी दौरान जालसाज ने उनसे बैंक खाते की जानकारी ले ली और अलग-अलग ट्रॉजेंक्शन के जरिए खाते से 1.80 लाख रुपए निकाल लिए। खाते से कम निकलने का पता चलने पर विनोद ने साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत की थी। शाहपुरा पुलिस ने जांच शुरू की है।

भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र स्थित बरखेड़ी रेलवे फाटक के पास गुरुवार सुबह पटरी पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसे के समय वह सुबह की सैर करने के बाद लौट रहे थे। आचार्य नरेंद्र देव नगर निवासी कमल सिंह (60) पूर्व में वाहन चालक थे। उन्हें कम दिखाई और कम सुनाई देने लगा था, जिससे पे घर पर ही रहने लगे थे वे रोजाना की तरह सुबह की सैर के लिए निकले थे। इसी दौरान बरखेड़ी फाटक रेलवे ट्रैक पर करते समय ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई।

मैनेजर का दावा-पहले ही उपभोक्ता को बताया था मामला

किस्त जमा नहीं की.. गोल्ड लोन की नीलामी पर मैनेजर को पीटा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोतवाली थाना क्षेत्र में गोल्ड लोन की नीलामी को लेकर बजाज फाइनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। गोल्ड लोन की किस्तें समय पर जमा नहीं करने पर ग्राहक को सोने की नीलामी की सूचना दी गई थी। इसी बात से नाराज ग्राहक अपने साथी के साथ कंपनी की शाखा पहुंचा। ब्रांच मैनेजर के साथ मारपीट शुरू कर दी।

आरोपियों ने मैनेजर की टेबल पर रखा लैपटॉप और मोबाइल भी तोड़ दिया। मैनेजर को बचाने के लिए आए दो कर्मचारियों से भी मारपीट की। पुलिस के मुताबिक राहुल पटेल (36) बजाज फाइनेंस कंपनी की नीम रोड शाखा में

मुक्कों से कर दी पिटाई

लोन लेने वाला रबूल दोपहर 3 बजे अपने साथी के साथ शाखा पहुंचा। दोनों ने मैनेजर से गोल्ड लोन पर बातचीत की। तभी रबूल के साथ आए व्यक्ति ने मैनेजर के साथ गाली-गलौज कर मुक्कों से पिटाई कर दी। मैनेजर ने पुलिस में शिकायत की है।

ब्रांच मैनेजर है। उन्होंने बताया कि रबूल खान ने कंपनी में सोना गिरवी रखकर गोल्ड लोन लिया था। हर माह किस्त चुकानी थी, लेकिन समय पर किस्तें जमा नहीं कर रहे थे। रबूल खान को कंपनी ने किस्त जमा करने के लिए कहा। यह भी बताया कि किस्त जमा न होने पर गिरवी रखे सोने की नीलामी की जाएगी।

मेट्रो एंकर सरकार को मिला 200 करोड़ रुपए का राजस्व, आज ऑफिस में ज्यादा भीड़ रहने की उम्मीद

मां दुर्गा की कृपा पाने शुभ मुहूर्त में लोग करा रहे रोजाना 500 प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री, कल से 4 दिन बंद रहेगा दफ्तर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में नवरात्र में प्रॉपर्टी की जमकर खरीद-बिक्री हो रही है। शुभ मुहूर्त पर सौदों के लिए आईएसबीटी और परी बाजार स्थित पंजीयक कार्यालय में भीड़ उमड़ रही है। 4 दिनों में करीब 2000 से ज्यादा रजिस्ट्री हो चुकी है। इससे पंजीयन विभाग को 200 करोड़ रुपए का राजस्व मिला है। वहीं, शुभ मुहूर्त में प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने का आज अंतिम दिन रहेगा। 17 से 20 अक्टूबर तक 4 दिन पंजीयन कार्यालय बंद रहेंगे। ऐसे में आज रजिस्ट्री ऑफिस में और ज्यादा भीड़ होने के आसार हैं। पंजीयन विभाग को भी रिकॉर्ड रजिस्ट्री होने की उम्मीद है।



रोजाना औसतन हो रही 500 से ज्यादा रजिस्ट्री

रजिस्ट्री दफ्तर में यूं तो सोमवार से ही रजिस्ट्रियों के लिए भीड़ उमड़ने लगी थी। लगातार बड़ी संख्या में लोग शुभ मुहूर्त में प्रॉपर्टी के सौदों का रजिस्ट्रेशन कराने पहुंचे। पंजीयन विभाग के मुताबिक प्रतिदिन औसतन 500 से ज्यादा रजिस्ट्री हो रही हैं। हालांकि इस बीच कुछ परेशानी भी हो रही है। सर्वर डाउन होने से लोगों को रजिस्ट्री कराने के लिए जरूरी सॉफ्ट बुकिंग में भी परेशानी हो रही है। यही कारण रहा कि सोमवार को सर्वर डाउन होने से 450 रजिस्ट्री ही हो सकी थी।

सर्वर डाउन होने से परेशानी बढ़ी, इंतजार हो गया लंबा

रजिस्ट्री ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार सप्ताह के बाकी दिनों में भी लोगों को सॉफ्ट बुकिंग करने और सर्वर डाउन होने की वजह से रजिस्ट्री में देरी की परेशानी हुई। लेकिन लोगों का उत्साह बरकरार है। आईएसबीटी दफ्तर पहुंचे अशोक शर्मा ने बताया कि रजिस्ट्री के लिए सॉफ्ट बुकिंग करने में उन्हें काफी इंतजार करना पड़ा। वहीं, राघव जैन का कहना है दोपहर में वे आए, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण रजिस्ट्री की प्रक्रिया में उन्हें शाम के 5 बज गए। तकनीकी समस्या दूर होने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा।

उप-पंजीयन स्टॉल की संख्या 72 से बढ़ाकर कर दी 80

त्योहारी सीजन में विभाग की तैयारियां की हैं। जिला पंजीयन स्वप्नेश शर्मा का कहना है कि प्रति उप पंजीयन स्टॉल की संख्या 72 से बढ़कर 80 कर दी है। वहीं सर्वर अपडेशन और तकनीकी टीम को भी तैनात किया है, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशान न होना पड़े। शर्मा ने बताया कि नवरात्र से दीपावली तक त्योहारी सीजन होता है और इस दौरान प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री भी ज्यादा होती है, इसलिए जरूरत के हिसाब से और भी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

कृषि अनुसंधान संस्था की निगरानी प्रणाली का खुलासा

एक साल में छह गुना बढ़े पराली जलाने के मामले, एक महीने में 340 घटनाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में धान की कटाई शुरू होते ही खेतों में पराली जलाने की घटनाएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। शुरुआती आंकड़ों ने चिंता बढ़ा दी है। प्रदेश 15 सितंबर से 13 अक्टूबर के बीच पराली जलाने के मामलों में देशभर में पहले स्थान पर पहुंच गया है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान की उपग्रह निगरानी प्रणाली के अनुसार, इस अवधि में मध्य प्रदेश में पराली जलाने की 340 घटनाएं दर्ज की गईं, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा महज 55 था।

पंजाब और उत्तर प्रदेश भी पीछे- उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, इस अवधि में मध्य प्रदेश में पराली जलाने की

सबसे अधिक घटनाएं दर्ज हुईं। वहीं पंजाब में 174, उत्तर प्रदेश में 127, हरियाणा में 7 और उत्तराखंड में 5 घटनाएं सामने आईं। धान की कटाई के शुरुआती चरण में ही मध्य प्रदेश में इस तरह की बढ़ोतरी ने पर्यावरण और कृषि प्रबंधन को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गुना में सबसे ज्यादा मामले, उज्जैन दूसरे स्थान पर- प्रदेश के जिलों में गुना सबसे आगे है, जहां पराली जलाने की 45 घटनाएं दर्ज की गईं। इसके बाद उज्जैन में 35, धार में 27, अशोकनगर में 25, देवास में 22 और इंदौर में 20 घटनाएं सामने आईं। ग्वालियर में अभी तक दो घटनाएं दर्ज की गई हैं।

देर से धान की रोपाई, आगे बढ़ सकती है परेशानी

ग्वालियर अंचल में मानसून देर से सक्रिय होने के कारण धान की रोपाई अग्रस्त में हुई थी। ऐसे में यहां कटाई का दौर अभी शुरू होना बाकी है। दूसरी ओर गुना, सीहोर, उज्जैन, धार और अशोकनगर में समय पर रोपाई होने से कटाई और पराली जलाने की गतिविधियां पहले शुरू हो गई हैं। कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि ग्वालियर अंचल में धान की कटाई के बाद किसानों के पास गेहूं की बुवाई के लिए कम समय रह सकता है। ऐसे में खेत जल्दी खाली करने के लिए पराली जलाने की घटनाएं बढ़ने की आशंका है।



पिछले साल भी बढ़े थे मामले

प्रदेश में पराली जलाने की वार्षिक घटनाएं भी चिता बढ़ा रही हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में वर्ष 2024 में 6,496 घटनाएं दर्ज हुई थीं, जो 2025 में बढ़कर 17,067 हो गईं। इसके मुकाबले पंजाब में 2025 में 5,114 और उत्तर प्रदेश में 7,290 घटनाएं दर्ज की गईं। पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए पंचायत स्तर पर समितियों को सक्रिय किया गया है। राजस्व अमला भी निगरानी कर रहा है और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। उप संचालक कृषि भानुप्रकाश शर्मा के अनुसार, इस बार किसानों ने पराली प्रबंधन के लिए हेमपी सीडर जैसी मशीनें भी अधिक खरीदी हैं। प्रशासन को उम्मीद है कि इनके इस्तेमाल से पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी।

इंदौर में जलसंकट, महापौर ने 50 करोड़ का पैकेज मांगा



इंदौर। मध्य प्रदेश में कमजोर मानसून ने जल संकट की आशंका बढ़ा दी है। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में सामान्य तौर पर होने वाली करीब 37 इंच बारिश के मुकाबले इस बार 23 इंच पानी ही बरसा है। इसके मद्देनजर महापौर पुष्पमित्र भागव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जल प्रबंधन के लिए 50 करोड़ रुपए के पैकेज की मांग की है। इंदौर में जलसंकट से निपटने के उपायों पर चर्चा के लिए गुरुवार सुबह नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयगर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, इंदौर नगर निगम समेत संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

इंदौर में 2008 में भी करीब 20 इंच ही बारिश हुई थी, उस समय भी जल संकट की स्थिति बनी थी। अब 18 साल बाद कम बारिश के कारण एक बार फिर गर्मी में पानी की उपलब्धता को लेकर चिंता बढ़ रही है। शहर की आबादी करीब 40 लाख है। फरेलू जरूरतों के लिए रोज करीब 620 एमएलडी (मिलियन लीटर पर डे) पानी की जरूरत होती है। औद्योगिक, व्यावसायिक, संस्थागत और अन्य उपयोग जोड़ने पर कुल मांग 750 से 800 एमएलडी तक पहुंच जाती है।

भेल क्षेत्र में होगी भव्य परेड, बड़े तालाब पर दिखेगी सैन्य ताकत;

भोपाल में पहली बार सजेगा सेना दिवस का राष्ट्रीय मंच, 15 जनवरी को दिखेगा भारतीय सेना का शौर्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल पहली बार भारतीय सेना दिवस के राष्ट्रीय समारोह की मेजबानी करेगी। 15 जनवरी 2027 को होने वाला यह आयोजन प्रदेश के इतिहास में गौरवशाली अध्याय जोड़ेगा। समारोह में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य, अनुशासन और आधुनिक सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विष्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को टीटी नगर स्टेडियम स्थित मेजर ध्यानचंद हॉल में उच्च स्तरीय बैठक लेकर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों और सेना के



अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ सभी तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सैन्य आयोजनों को दिल्ली से बाहर देश के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचाने के दृष्टिकोण के अनुरूप भोपाल में सेना दिवस

समारोह आयोजित किया जा रहा है। इसकी मुख्य थीम 'आपकी सेना-आपके पास' रखी गई है। इसका उद्देश्य सेना और आम नागरिकों के बीच जुड़ाव मजबूत करना तथा युवाओं में राष्ट्रभक्ति, सैन्य सेवाओं के प्रति सम्मान और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

मतदाता सूची से नाम काटने पर भड़के मिर्ची बाबा

बोले- जिंदा हूं, फिर वोटर लिस्ट से नाम क्यों काटा?

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद नामों में हुई कटौती को लेकर विवाद थम नहीं रहा है। अब महामंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरि महाराज उर्फ मिर्ची बाबा ने दावा किया है कि मतदाता सूची से उनका नाम भी हटा दिया गया है। उन्होंने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह जीवित हैं, ऐसे में उनका नाम किस आधार पर हटाया गया? बाबा ने इस मामले में अदालत जाने की बात कही है। मिर्ची बाबा ने एक वीडियो जारी कर कहा कि मतदाता सूची से मृत लोगों के नाम हटाना उचित है, लेकिन गरीबों, ठेला लगाने वालों और संन्यासियों के नाम

भी काटे जाने की शिकायतें हैं। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उनका नाम हटाया गया है, तो इसका कारण स्पष्ट किया जाना चाहिए।



मिर्ची बाबा ने कहा कि उनसे जन्मस्थान का प्रमाणपत्र और माता-पिता के नाम से जुड़ी जानकारी मांगी जा रही है। उन्होंने कहा कि संन्यास लेने के बाद व्यक्ति की पहचान गुरु परंपरा से जुड़ती है। ऐसे में संन्यासियों से मांगे जा रहे दस्तावेजों और मतदाता सूची से नाम हटाने के आधार को स्पष्ट किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह पहले चुनाव भी लड़ चुके हैं और आयकर भी भरते हैं।

एमपी पुलिस आरक्षक भर्ती: इस बार सवा दो

लाख कम हुए आवेदक

भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस में आरक्षक के 7,500 पदों पर होने जा रही भर्ती परीक्षा में इस बार करीब सवा दो लाख आवेदक कम हुए हैं। बढ़ती बेरोजगारी के बीच पुलिस मुख्यालय और कर्मचारी चयन मंडल को पिछले वर्ष की तुलना में अधिक आवेदन आने की उम्मीद थी, लेकिन इस बार अभ्यर्थियों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कर्मचारी चयन मंडल को वर्ष 2025 में आयोजित आरक्षक भर्ती परीक्षा के लिए 9.76 लाख आवेदन मिले थे। वहीं, वर्ष 2026 में 7,500 पदों के लिए कुल 7.51 लाख आवेदन ही जमा हुए हैं। गृह विभाग के प्रस्ताव पर कर्मचारी चयन मंडल ने 22 सितंबर से 6 अक्टूबर तक आवेदन की प्रक्रिया रखी थी।

मेट्रो एंकर

भोपाल मंडल में टीटीई की ड्रेस पर लगेंगे कैमरे, 56 बॉडी वियरिंग कैमरों का दिया ऑर्डर

यात्री और कर्मचारी के बीच विवाद और बातचीत होगी रिकॉर्ड

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ट्रेनों में टिकट चेकिंग के दौरान यात्री और रेलवे कर्मचारियों के बीच होने वाले विवादों की हकीकत अब कैमरे में कैद होगी। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने टिकट चेकिंग स्टाफ के लिए 56 बॉडी वियरिंग कैमरों का ऑर्डर दिया है। इन कैमरों में कर्मचारी और यात्री के बीच होने वाली बातचीत रिकॉर्ड होगी। इससे शिकायतों की जांच में दोनों पक्षों की बात और घटनाक्रम की पुष्टि करना आसान होगा। रेलवे का मानना है कि इस पहल से टिकट चेकिंग की प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी और यात्रियों के साथ कर्मचारियों को भी सुरक्षा मिलेगी।

भोपाल रेल मंडल के सीनियर डीसीएम सौरभ कठारिया के मुताबिक मंडल में पिछले दो साल से बॉडी



वियरिंग कैमरों की जरूरत महसूस की जा रही थी। अब इन्हें उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। अगले 2 से 3 महीने में कैमरों का इस्तेमाल शुरू करने की तैयारी है। बिना टिकट पकड़े जाने पर विवाद, शिकायतों की जांच में लगता है समय कठारिया ने बताया कि टिकट

बॉडी वियरिंग कैमरे से क्या होंगे फायदे?

शिकायतों की जांच आसान- यात्री और टिकट चेकिंग स्टाफ के बीच हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग से घटनाक्रम की पुष्टि होगी।
दोनों पक्षों की सुरक्षा- यात्री और कर्मचारी, दोनों के पक्ष को समझने में मदद मिलेगी।
विवादों का समाधान- बिना

टिकट यात्रा पर कार्रवाई के दौरान हुए विवादों की जांच में मदद मिलेगी।
पारदर्शिता बढ़ेगी- चेकिंग स्टाफ की कार्यप्रणाली की निगरानी और जवाबदेही बेहतर होगी।
समय की बचत- शिकायतों की जांच में घटनाक्रम की पुष्टि करना आसान हो सकता है।

पुष्टि करने के लिए जांच करनी पड़ती है, जिसमें समय लगता है। रेल मदद पर मिलने वाली शिकायतों का मंडल स्तर पर विश्लेषण किया जाता है। बॉडी वियरिंग कैमरों से रिकॉर्डिंग मिलने पर यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि घटना के समय क्या हुआ था और किस पक्ष की क्या भूमिका रही। इससे

शिकायतों के निराकरण में भी आसानी होगी। रेलवे पहले चरण में महत्वपूर्ण ट्रेनों में इन कैमरों का इस्तेमाल करेगा। इनमें शान-ए-भोपाल, वंदे भारत और भोपाल मंडल से शुरू होने वाली या യों से गुजरने वाली अन्य प्रमुख ट्रेनें शामिल होंगी। इसके बाद अगले चरण में अधिक से अधिक ट्रेनों के टिकट चेकिंग स्टाफ को कैमरों से लैस करने की योजना है। भोपाल मंडल में टिकट चेकिंग स्टाफ की संख्या करीब 300 से 320 है। शुरुआत में 56 कैमरे उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से बाकी स्टाफ को भी कवर करने की तैयारी है। रेलवे बुकिंग और रिवर्सेशन काउंटर पर तैनात कर्मचारियों के लिए भी बॉडी वियरिंग कैमरे उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर काम करेगा।

अर्थव्यवस्था की मजबूती केवल विकास दर के चमकते आंकड़ों से नहीं, बल्कि बाजार में भरोसे, कारोबार की सहजता और आम आदमी को मिलने वाली राहत से मापी जाती है। वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगे कच्चे तेल, महंगाई और कमजोर मानसून के बीच जीएसटी सुधार भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति देने की उम्मीद जगाते हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत किया है, जबकि विश्व बैंक ने इसे 7.1 प्रतिशत आंका है। इन अनुमानों के बीच असली सवाल

यही है कि सुधारों का लाभ जमीन पर कितना दिखाई देता है। जुलाई

2017 में लागू वस्तु एवं सेवा कर ने देश की बिखरी कर व्यवस्था को एक सूत्र में बांधने का प्रयास किया था। लेकिन जटिल प्रक्रियाओं, रिफंड में देरी और कर संबंधी विवादों ने छोटे कारोबारियों के सामने मुश्किलें भी खड़ी कीं। जीएसटी परिषद के नए फैसले पंजीकरण, रिटर्न, इनपुट टैक्स क्रेडिट, निर्यात और विवाद निपटान को सरल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। छोटे व्यापारी के लिए नियमों की जटिलता महज कागजी परेशानी

भरोसे की असली परीक्षा

नहीं, बल्कि उसके समय, पूंजी और कारोबार पर पड़ने वाला बोझ है। इन कारोबारों का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष कर प्रशासन और कारोबारियों के बीच भरोसा बहाल करना है। गिरफ्तारी संबंधी शक्तियों में बदलाव और अभियोजन की सीमा बढ़ाने जैसी सिफारिशें प्रभावी ढंग से लागू हुईं, तो ईमानदार व्यापारियों को अनावश्यक भय से राहत मिल सकती है। कर वसूली सरकार का अधिकार है, लेकिन उसका इस्तेमाल पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ होना चाहिए। कर चोरी पर कार्रवाई हो, मगर नियमों का पालन करने वाले

कारोबारियों को बेवजह परेशान न किया जाए। सुधारों का लाभ बड़े उद्योगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। एमएसएमई, स्टार्टअप और छोटे दुकानदारों के लिए अनुपालन आसान हो, रिफंड समय पर मिले और विवादों का निपटारा शीघ्र हो। इससे कारोबार की लागत घट सकती है, निवेश बढ़ सकता है और रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं। हालांकि, जीएसटी सुधार आर्थिक चुनौतियों का अकेला समाधान नहीं हैं। महंगा कच्चा तेल, वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान और कमजोर ग्रामीण मांग विकास की राह कठिन बना सकते हैं।

नीला ड्रम कांड में मुस्कान और साहिल को फांसी की सजा से समाज को संदेश

मनोज कुमार अग्रवाल

स्तंभकार



मेरठ के बहुचर्चित नीला ड्रम कांड में सौरभ राजपूत की कातिल उसकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी और उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को फांसी की सजा सुनाई गई है। पतिहंता महिला को पहली बार देश में फांसी की सजा सुनाई गई है। मुस्कान और साहिल ने सौरभ के पांच टुकड़े करके नीले ड्रम में सीमेंट डाल कर जमा दिए थे। यह समूचे समाज को भीतर तक झकझोरने वाला हत्याकांड रहा, जिसने भारतीय परिवारिक सामाजिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। क्या कोई विवाहित महिला ऐसा भी कर सकती है? जिस दंपति के एक छोटी बच्ची हो, जिसका पति उसको बेपनाह प्यार करता हो, लेकिन विवाहित युवती ने न अपना भविष्य देखा और न बच्ची का... वह वासना भरे कथित प्यार में ऐसी अंधी हुई कि अपने प्रेमी के साथ मिल कर पति के ही पांच टुकड़े कर दिए। बुधवार को जब कोर्ट ने मुस्कान से पूछा कि तुमको क्या सजा दी जाए? तो उसने सिर्फ इतना कहा, मेरी बच्ची छोटी है। जाहिर है, उसका अपराध दया माफी के काबिल बिल्कुल नहीं था।

यहां अदालत में न्याय के तख्त पर आसीन न्यायाधीश ने महाभारत के जिस श्लोक का अपने निर्णय में उल्लेख किया है वह गौरतलब है - निर्वनो वध्यते व्याघ्रो निर्व्याघ्रं छिद्यते वनमतस्माद्व्याघ्रो वनं रक्षेद वनं व्याघ्रं च पालयेत्॥ इसका अर्थ है कि बिना वन (जंगल) के बाघ मारा जाता है और बिना बाघ के जंगल काट दिया जाता है। इसलिए बाघ को वन की रक्षा करनी चाहिए और वन को बाघ का पालन-पोषण करना चाहिए।

इस श्लोक के माध्यम से अदालत ने समाज और कानून या दंड के बीच के परस्पर संबंधों को समझाया। जज ने स्पष्ट किया कि दंड भी धर्म है, यानी समाज की रक्षा के लिए अपराधी को उसके अपराध की गंभीरता के अनुसार दंड देना बेहद जरूरी है, ताकि समाज में संतुलन बना रहे।उन्होंने फैसला पढ़ना शुरू किया इससे पहले उन्होंने अहम टिप्पणी में कहा कि दंड भी धर्म है. उन्होंने महाभारत का जिक्र करते हुए कहा कि दंड को भी धर्म ही बताया गया है, यानी अपराधी को दंड देना धर्म है.

आपको क्रमवार याद दिला दें कि 24 फरवरी 2025 को मचेंट नेवी अफसर सौरभ राजपूत लंदन से वापस मेरठ लौटे और इंदिरा नगर स्थित अपने घर पहुंचे.25 फरवरी 2025 को सौरभ के घर में उनकी पत्नी मुस्कान रस्तोगी का जन्मदिन मनाया गया.28 फरवरी 2025 को उनकी बेटी पीहू का जन्मदिन मनाया गया.3 मार्च 2025: अभियोजन पक्ष के अनुसार, साक्षि के तहत सौरभ को नौद की दवा दी गई और उसके बाद उसके प्रेमी साहिल शुक्ला को घर बुलाया गया, जहां सौरभ की बेरहमी से हत्या कर दी गई. इसके बाद शव के टुकड़े कर उसे सीमेंट भरकर एक नीले ड्रम में सील कर दिया गया.4 मार्च 2025: इस दिन मुस्कान अपनी बेटी को मायके छोड़कर साहिल के साथ शिमला घूमने निकल गई और सौरभ के फोन से सैसेज भेजकर परिवार को धोखे में रखा.17 मार्च 2025: शिमला से लौटने के बाद जब मामले का खुलासा हुआ और पुलिस ने जांच शुरू की, तो घर के अंदर रखे नीले ड्रम से सौरभ राजपूत के शव के टुकड़े बरामद किए गए. पुलिस ने आरोपी मुस्कान और साहिल को गिरफ्तार किया। आपको बता दें कि 14 अक्टूबर को मुस्कान और साहिल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश



किया गया था। इससे पहले अदालत ने 30 सितंबर को मुस्कान और साहिल को सौरभ राजपूत की हत्या करने और उनके शव को छिपाने की कोशिश के मामले में दोषी करार दिया था। करीब 13 महीने तक चले मुकदमे में कुल 126 सुनवाई हुईं, जिसके बाद अदालत ने दोनों को सजा सुनाई।

आपको बता दें कि सौरभ हत्या कांड के बाद कुछ और केस सामने आए। इन पर भी अदालतें देर सबेर फैसला सुनाएंगी। इसी माह की 16 तारीख को मेरठ के ही एक और केस का फैसला आना है, जिसमें रविता कश्यप और उसके प्रेमी अमरदीप ने अमित कश्यप की हत्या कर उसे सांप के काटने से हुई मौत दिखाने की कोशिश की। पति के बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। सोनम रघुवंशी केस की भी आपको याद होगा। इस केस में सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या करने का आरोप है। महाराष्ट्र के एक-दो नहीं, पांच से ज्यादा केस हैं। इसी तरह पुणे के केतन हत्याकांड ने भी विवाह जैसी संस्था की धज्जियाँ उड़ाई थीं। जिस रिश्ते से जीवन संवरने की उम्मीद होती है, वही बनने से पहले ही अगर मौत की वजह बन जाए तो भरोसा आखिर किस पर किया जाए? रिश्ते अब अपनी शतों पर चलाने की जिद में उलझते नजर

आते हैं। आए दिन इस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं। सवाल हत्याओं से ज्यादा विवाह परंपरा, उसकी मर्यादा और रिश्तों के खून पर उठ रहे हैं। पति-पत्नी का रिश्ता विश्वास, प्रेम और साथ निभाने की प्रतिज्ञा पर टिका होता है। लेकिन जब इसी रिश्ते में विश्वास की जगह छल, संवाद की जगह हिंसा और मतभेद की जगह हत्या ले लेती है, तो सवाल केवल अपराध का नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच का यन जाता है। नीला ड्रम कांड और मुस्कान साहिल से जुड़े मामले ने समाज को झकझोरने के साथ यह सोचने पर भी विवश किया है कि आखिर वैवाहिक रिश्ते इस हद तक कैसे पहुंच रहे हैं कि जीवनसाथी ही जीवन का दुश्मन बन जाता है। पति की हत्या, शव को छिपाने और अपराध के साक्ष्य मिटाने जैसे आरोप किसी भी सभ्य समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। ऐसे मामलों में जनभावना स्वाभाविक रूप से कठोरतम दंड की मांग करती है। और अदालत ने फांसी की सजा सुनाकर संदेश भी दिया कि जयन्त्यतम मामलों में कोई राहत नहीं दी जा सकती। भारतीय कानून में हत्या एक गंभीर दंडनीय अपराध है। एक जुलाई 2024 से लागू भारतीय न्याय संहिता में हत्या के लिए मृत्युदंड या आजीवन कारावास तथा जुमनि का प्रावधान है। इससे पहले के अपराधों पर लागू कानून का निर्धारण घटना की तारीख और संक्रमण संबंधी कानूनी प्रावधानों के अनुसार होता है।

सोशल मीडिया के इस दौर में तमाम तरह का अनैतिक असामाजिक और रिश्तों की पवित्रता को नष्ट करने वाली रील और सामग्री को वायरल कर परिवार व समाज को दूषित किया जा रहा है और नयी पीढ़ी में वैचारिक प्रदूषण का बीजारोपण कर भारतीय संस्कृति समाज और परिवार को तोड़ने का अधम काम किया जा रहा है। सबसे अहम सवाल है कि विवाह परंपरा को कैसे पुनर्जीवित और मजबूत बनाया जाए। सवाल यही है कि सात फेरों में साथ जीने-मरने का वादा करने वाले रिश्ते में आखिर जिंदगी इतनी सस्ती कैसे हो गई? इस गंदगी और अपराध की सोच को अंकुरित होने से पहले ही खत्म करना होगा तभी परिवार नाम की संस्था को बचाया जा सकता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

कभी-कभी अचानक ऐसा महसूस होता है, जैसे कमरा घूम रहा हो, जमीन पैरों के नीचे हिल रही हो या शरीर एक तरफ खिंच रहा हो। इसके साथ कान बंद लगने, सुनाई कम देने या कान में घंटी, सीटी और भिनभिनाहट जैसी आवाज आने की समस्या हो, तो इसे सामान्य चक्कर समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह वर्टिगो से जुड़ी किसी समस्या का संकेत हो सकता है। वर्टिगो स्वयं कोई बीमारी नहीं, बल्कि एक लक्षण है। इसके पीछे अंदरूनी कान की गड़बड़ी, माइग्रेन या मस्तिष्क और तंत्रिकाओं से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।



हर तरह के चक्कर को वर्टिगो नहीं कहा जाता। सामान्य चक्कर में कमजोरी, सिर हल्का लगना या बेहोशी जैसा अहसास हो सकता है। इसके विपरीत, वर्टिगो में व्यक्ति को लगता है कि वह स्वयं घूम रहा है या उसके

आसपास की चीजें घूम रही हैं। यह कुछ सेकंड, मिनटों, घंटों या कभी-कभी कई दिनों तक रह सकता है। इसकी अवधि और चक्कर शुरू होने की परिस्थितियां कारण का पता लगाने में मदद करती हैं।

सिर चकराने के साथ कम सुनाई देना हो सकता है कान की बीमारी का संकेत

निशाना

बड़े मासूम से दिन थे!



मनोज 'निडर'

हमारे हाथ में पत्थर तुम्हारी बात में पत्थर। कहीं से आ गए फूलों से दिल की जात में पत्थर। बड़े मासूम से दिन थे हमारे ही तुम्हारे भी, किसी ने क्यों बिछाए फिर सुहानी रात में पत्थर। लदी शाखों पे जबसे आ गए हैं फल रसीले से, चुराने के लिए चौकस हुए हैं घात में पत्थर। जुबाँ से फूल झड़ते हैं सभी के सामने लेकिन, बहुत महसूस होते हैं तुम्हारी बात में पत्थर। यहाँ पहचानना मुश्किल हुआ है कौन अपना है, सफ़र में हर किसी ने रख लिया है साथ में पत्थर।

वायरल - कंटेंट

राजस्थान में सौ बीघा में बसा गोबर वाला होटल, मिट्टी की खुशबू और सुकून

शहरों की भागदौड़, शोर और भीड़ से दूर अगर मिट्टी की खुशबू, देसी भोजन और प्रकृति के बीच सुकून भरे दिन बिताने का मौका मिले, तो छुट्टियों का मजा ही अलग हो जाता है। राजस्थान के सीकर में ऐसा ही अनोखा ठिकाना है, जहां आधुनिक होटल जैसी चमक-दमक के बजाय गांव की सादगी और पारंपरिक जीवनशैली पर्यटकों को आकर्षित करती है। इसका नाम है 'जोर की ढाणी'। करीब सौ बीघा में फैले इस परिसर की खासियत है कि यहां मिट्टी, गोबर और पारंपरिक निर्माण शैली से बने कमरे पर्यटकों को ग्रामीण जीवन का अनुभव कराते हैं।

जोर की ढाणी की शुरुआत सुशीला रावैर ने की थी। समाचार रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2005 में उन्होंने अपनी पुरतैनी जमीन पर घर बनाना शुरू किया। उस समय जमीन बंजर थी और बिजली-पानी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थीं। उन्होंने सीमेंट के बजाय मिट्टी की ईंटों और गोबर के लेप



जैसी पारंपरिक तकनीकों का सहारा लिया। शुरुआत में यहां केवल तीन कमरे बनाए गए थे। वर्ष 2007 में इसे कृषि पर्यटन से जोड़कर पर्यटकों के लिए शुरू किया गया।

राजस्थान में गांव से दूर खेतों में बने घरों को ढाणी कहा जाता है। इसी ग्रामीण परंपरा से प्रेरित जोर की ढाणी आज ऐसे लोगों को आकर्षित करती है, जो शहरी जीवन से कुछ समय दूर रहना चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यहां विदेशों से भी पर्यटक ठहरने आते हैं। यहां आने वाले पर्यटकों को केवल ठहरने की जगह ही नहीं, बल्कि ग्रामीण जीवनशैली से जुड़ी गतिविधियों का अनुभव भी मिलता है। गोसेवा, घुड़सवारी, देसी भोजन और प्राकृतिक वातावरण इस जगह के प्रमुख आकर्षण हैं। परिसर में पारंपरिक कृषि उपकरण जैसे हल और ओखली-मूसल भी रखे गए हैं। योग के लिए मिट्टी का मंच और कुत्रिम झरना भी बनाया गया है।

बारह सौ रुपये से शुरू किराया: एक रिपोर्ट के मुताबिक, जोर की ढाणी में कमरों का किराया उनकी बनावट और आकार के अनुसार अलग-अलग है। सामान्य कमरों का किराया 1,200 रुपये से शुरू होकर 4,000 रुपये तक बताया गया है।

अंदरूनी कान केवल सुनने में ही नहीं, शरीर का संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां मौजूद संतुलन तंत्र सिर की स्थिति और उसकी गति की जानकारी मस्तिष्क तक पहुंचाता है। इसीलिए अंदरूनी कान की कुछ समस्याओं में चक्कर और सुनने की परेशानी एक साथ हो सकती हैं। कान बंद या भरा हुआ महसूस होना, सुनाई कम देना और कान में आवाजें आना भी कुछ विकारों के लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, कान बंद होने की वजह मैल, संक्रमण या अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए केवल इन लक्षणों के आधार पर किसी बीमारी का निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए।

अंदरूनी कान केवल सुनने में ही नहीं, शरीर का संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां मौजूद संतुलन तंत्र सिर की स्थिति और उसकी गति की जानकारी मस्तिष्क तक पहुंचाता है। इसीलिए अंदरूनी कान की कुछ समस्याओं में चक्कर और सुनने की परेशानी एक साथ हो सकती हैं। कान बंद या भरा हुआ महसूस होना, सुनाई कम देना और कान में आवाजें आना भी कुछ विकारों के लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, कान बंद होने की वजह मैल, संक्रमण या अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए केवल इन लक्षणों के आधार पर किसी बीमारी का निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए।

अंदरूनी कान केवल सुनने में ही नहीं, शरीर का संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां मौजूद संतुलन तंत्र सिर की स्थिति और उसकी गति की जानकारी मस्तिष्क तक पहुंचाता है। इसीलिए अंदरूनी कान की कुछ समस्याओं में चक्कर और सुनने की परेशानी एक साथ हो सकती हैं। कान बंद या भरा हुआ महसूस होना, सुनाई कम देना और कान में आवाजें आना भी कुछ विकारों के लक्षण हो सकते हैं। हालांकि, कान बंद होने की वजह मैल, संक्रमण या अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए केवल इन लक्षणों के आधार पर किसी बीमारी का निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए।

मेनियर रोग भी हो सकता है कारण: कान में घंटी, सीटी या भिनभिनाहट जैसी आवाज सुनाई देना, जबकि आसपास ऐसी कोई आवाज न हो, टिनिटस कहलाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं। जब टिनिटस के साथ बार-बार चक्कर आएँ, सुनने की क्षमता घटे और कान में दबाव या भरेपन का अहसास हो, तो मेनियर रोग की आशंका पर भी विचार किया जाता है। यह अंदरूनी कान से जुड़ा विकार है, जिसमें चक्कर के दौरे, सुनने में उतार-चढ़ाव और कान में आवाज आने की समस्या हो सकती है। हालांकि, इन लक्षणों के दूसरे कारण भी संभव हैं और सही निदान के लिए चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

मेनियर रोग भी हो सकता है कारण: कान में घंटी, सीटी या भिनभिनाहट जैसी आवाज सुनाई देना, जबकि आसपास ऐसी कोई आवाज न हो, टिनिटस कहलाता है। इसके कई कारण हो सकते हैं। जब टिनिटस के साथ बार-बार चक्कर आएँ, सुनने की क्षमता घटे और कान में दबाव या भरेपन का अहसास हो, तो मेनियर रोग की आशंका पर भी विचार किया जाता है। यह अंदरूनी कान से जुड़ा विकार है, जिसमें चक्कर के दौरे, सुनने में उतार-चढ़ाव और कान में आवाज आने की समस्या हो सकती है। हालांकि, इन लक्षणों के दूसरे कारण भी संभव हैं और सही निदान के लिए चिकित्सकीय जांच जरूरी है।

बढ़ाकर, छूट घटाकर या कुछ सुविधाओं में बदलाव करके कर सकते हैं।
बजट फोन खरीदने वालों पर ज्यादा असर: 15 हजार रुपये से कम कीमत वाले फोन खरीदने वाले ग्राहक आमतौर पर सीमित बजट में बेहतर कैमरा, पर्याप्त रैम, ज्यादा स्टोरेज और अच्छी बैटरी चाहते हैं। कीमत बढ़ने पर उन्हें अपनी जरूरतों के बीच समझौता करना पड़ सकता है। कंपनियां यदि छूट कम करती हैं या समान कीमत पर कम सुविधाओं वाले मॉडल पेश करती हैं, तो ग्राहकों को पहले की तुलना में कम विकल्प मिल सकते हैं। महंगे फोन खरीदने वालों के मुकाबले बजट ग्राहकों के लिए कीमत में छोटी बढ़ोतरी भी महत्वपूर्ण होती है। इसलिए फोन खरीदते समय केवल विज्ञापनों या नए मॉडल के आकर्षण के आधार पर फैसला करना नुकसानदेह हो सकता है। यदि नया फोन खरीदना जरूरी है, तो सबसे पहले अपनी वास्तविक जरूरत तय करें। प्रोसेसर, बैटरी, कैमरे की गुणवत्ता और रोजमर्रा के इस्तेमाल में उसकी गति भी देखें। यह भी जांचें कि कंपनी कितने वर्षों तक सुरक्षा और सॉफ्टवेयर अपडेट देगी।

पश्चिम एशिया की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक सऊदी-हूती संघर्ष

डॉ. प्रियंका सौरभ

स्तंभकार



सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष पश्चिम एशिया की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक है। यह संघर्ष यमन के लंबे समय से जारी गृहयुद्ध, राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हितों का परिणाम है। वर्ष 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा यमन की राजधानी सना पर कब्जा करने के बाद संघर्ष ने व्यापक रूप ले लिया। मार्च 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के हस्तक्षेप ने इसे घरेलू राजनीतिक संकट से क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल दिया। यद्यपि कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम करने की कोशिशें हुई हैं, फिर भी यह संघर्ष मानवीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

इस संघर्ष का पहला प्रमुख कारण यमन में राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर शासन व्यवस्था है। वर्ष 2011 के अरब स्प्रिंग के दौरान व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह को सत्ता छोड़नी पड़ी। उनके उत्तराधिकारी अब्दरब्बुह मंसूर हादी एक प्रभावी और समावेशी शासन स्थापित करने में सफल नहीं हो सके। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर सरकारी संस्थाओं ने राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया। परिणामस्वरूप, विभिन्न सशस्त्र समूहों और राजनीतिक शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी, जिससे हूती आंदोलन के विस्तार के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनीं।

दूसरा प्रमुख कारण हूती आंदोलन की राजनीतिक और सामाजिक शिकायतें हैं। हूती आंदोलन, जिसे अंसार अल्लाह भी कहा जाता है, उत्तरी यमन के जैदी शिया समुदाय से उभरा। इसके समर्थकों ने राजनीतिक उपेक्षा, आर्थिक पिछड़ेपन और धार्मिक-सांस्कृतिक हाशिये पर रखे जाने के विकड़ आवाज उठाई। समय के साथ यह आंदोलन एक शक्तिशाली सशस्त्र संगठन बन गया। हालांकि इसकी जड़ें यमन की घरेलू परिस्थितियों में हैं, लेकिन इसके सैन्य विस्तार और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के साथ संघर्ष ने देश की अस्थिरता को और बढ़ाया।

वर्ष 2014 में हूतियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करना संघर्ष का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने देश के कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव बढ़ाया। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की स्थिति कमजोर हुई और राजनीतिक संक्रमण की प्रक्रिया बाधित हो गई। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम को अपनी दक्षिणी सीमा के निर्यात एक गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा। यमन के साथ लंबी साझा सीमा होने के कारण सऊदी अरब को आशंका थी कि हूतियों का विस्तार उसकी क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है।

सऊदी अरब की सुरक्षा संबंधी चिंताएँ संघर्ष का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण हैं। हूतियों द्वारा सऊदी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों तथा सैन्य ठिकानों पर महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाए जाने से दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा। मार्च 2015 में सऊदी अरब ने हूतियों की बढ़ती शक्ति को रोकने

और मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को समर्थन देने के उद्देश्य से सैन्य हस्तक्षेप किया। हालांकि इस हस्तक्षेप का घोषित उद्देश्य यमन की सरकार को बहाल करना था, लेकिन लंबे समय तक चले सैन्य अभियान से संघर्ष का समाधान और जटिल हो गया।

इस संघर्ष का एक व्यापक भू-राजनीतिक कारण ईरान और सऊदी अरब के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा है। ईरान ने हूती आंदोलन को विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक, तकनीकी और सैन्य समर्थन दिया है। सऊदी अरब इसे अपनी दक्षिणी सीमा के निकट ईरानी प्रभाव बढ़ने के रूप में देखता है। हालांकि हूती आंदोलन की अपनी घरेलू जड़ें और स्वतंत्र राजनीतिक प्राथमिकताएँ भी हैं, फिर भी ईरान-सऊदी प्रतिद्वंद्विता ने संघर्ष को व्यापक क्षेत्रीय आयाम प्रदान किया। इस प्रकार यमन आंतरिक राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ पश्चिम एशिया की शक्ति-प्रतिस्पर्धा का भी एक प्रमुख केंद्र बन गया।

संघर्ष के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हुए हैं। इसका सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव मानवीय संकट के रूप में दिखाई देता है। लंबे समय तक चले युद्ध ने बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया है तथा खाद्य असुरक्षा, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी जैसी समस्याओं को गंभीर बनाया है। अस्पतालों, विद्यालयों, जलापूर्ति प्रणालियों और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है। कमजोर शासन

व्यवस्था और आर्थिक संकट ने आम नागरिकों के जीवन को और कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियाँ उग्रवादी संगठनों के विस्तार और अवैध गतिविधियों के लिए भी अवसर पैदा कर सकती हैं। दूसरा प्रमुख प्रभाव समुद्री सुरक्षा पर पड़ रहा है। यमन की भौगोलिक स्थिति बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य के निकट होने के कारण अत्यंत रणनीतिक है। यह जलडमरूमध्य लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है और स्वेज नहर के माध्यम से एशिया तथा यूरोप के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मार्ग प्रदान करता है। हूतियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों और समुद्री यातायात को निशाना बनाए जाने से अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा प्रभावित हुई है। विशेष रूप से 2023 के अंत से लाल सागर में बढ़ते हमलों ने कई शिपिंग कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित किया। अफ्रीका के दक्षिणी सिरे से जहाजों के गुजरने के कारण यात्रा का समय, ईंधन खर्च और परिवहन लागत बढ़ गई।

निष्कर्षतः, सऊदी-हूती संघर्ष दर्शाता है कि घरेलू राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्विता और बाहरी हस्तक्षेप किस प्रकार एक स्थानीय संकट को व्यापक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल सकते हैं। इसके परिणाम यमन की सीमाओं से बाहर निकलकर मानवीय कल्याण, समुद्री व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया की स्थिरता को प्रभावित करते हैं। स्थायी शांति के लिए समावेशी राजनीतिक समाधान, सऊदी-ईरान संवाद, अंतरराष्ट्रीय कानून का सम्मान और यमन के पुनर्निर्माण हेतु निरंतर सहयोग आवश्यक है। एक शांतिपूर्ण, स्थिर और संप्रभु यमन न केवल वहाँ के नागरिकों के हित में है, बल्कि संपूर्ण क्षेत्र और विश्व की सुरक्षा के लिए भी अनिवार्य है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

न्यूज विंडो

पुण्य स्मृति में सेवा की मिसाल, स्वास्थ्य शिविर में 546 मरीजों की जांच



गंजबासौदा। स्व. सेठ दीपचंद जैन की पुण्य स्मृति में उनके पुत्रों द्वारा त्योंदा रोड स्थित कमलदीप अकादमी परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 546 मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। सेवा संघ ट्रस्ट आनंदपुर नेत्र चिकित्सालय की टीम सहित विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। कुल 178 मरीजों की नेत्र जांच में 54 में मोलियाबिंद के लक्षण मिले, जबकि 36 मरीजों को चर्शमे के नंबर दिए गए। दंत, महिला एवं बाल रोग सहित अन्य बीमारियों से संबंधित 368 मरीजों का परीक्षण कर परामर्श दिया गया। शिविर में डॉ. रशांक शेखर भार्गव, डॉ. सृष्टि भार्गव, डॉ. पीके तिवारी, डॉ. विपुल जैन सहित अन्य चिकित्सकों ने सेवाएं दीं। प्रारंभ में स्व. जैन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मावव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन ने सहयोग किया। संचालन सुरेश कुमार तनवानी ने किया तथा आभार निर्मल कुमार जैन ने व्यक्त किया।

‘जय जोहार’ पर अभद्रता का आरोप, पुलिस अधिकारी पर एफआईआर की मांग



तेंदूखेड़ा। भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर आदिवासी छात्रों के साथ कथित अभद्रता के मामले में जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) तेंदूखेड़ा ने विरोध जताते हुए मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संगठन का आरोप है कि आंदोलन के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारी ने छात्रों के ‘जय जोहार’ अभिवादन पर अशोभनीय भाषा का प्रयोग किया और उन्हें हिरासत में लिया। जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत सिंह पोतें ने घटना की निंदा करते हुए संबंधित अधिकारी के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करने, निष्पक्ष जांच और दोष सिद्ध होने पर कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि ‘जय जोहार’ आदिवासी संस्कृति, पहचान और स्वाभिमान का प्रतीक है। उचित कार्रवाई नहीं होने पर संगठन ने प्रदेशव्यापी लोकतांत्रिक आंदोलन की चेतावनी दी। ज्ञापन के दौरान गिरधारी परस्ते, रामनरेश पोतें, मौनू मरावी सहित बड़ी संख्या में जयस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आपदा के वक्त जीवनरक्षक बनेंगे युवा सात दिन सीखेंगे बचाव के गुर



गंजबासौदा। आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बासौदा में सात दिवसीय युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू हुई। होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ द्वारा कलेक्टर के निर्देशन और होमगार्ड कमांडेंट मयंक कुमार जैन के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ तहसीलदार सविता पटेल ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना और दीप प्रज्वलित कर किया। प्लाटून कमांडर रश्मि दुबे ने प्रशिक्षण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि युवाओं को आपदा के दौरान प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों के लिए तैयार किया जाएगा। प्रशिक्षण में बाढ़, भूकंप, मलबे में खोज-बचाव, सीपीआर, प्राथमिक उपचार, सर्पदंश और वज्रपात से बचाव के तरीके सिखाए जाएंगे। रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु आपदाओं से निपटने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। तहसीलदार सविता पटेल ने युवाओं से सीखे गए कौशल का उपयोग ज़रूरतमंदों की मदद और लोगों की जान बचाने में करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कंपनी कमांडर देवीसिंह परते सहित एसडीईआरएफ की टीम मौजूद रही।

मेट्रो एंकर ज्वाला देवी मंदिर से बड़ी खेरमाई मंदिर तक निकली भव्य यात्रा

551 मी. की चुनरी यात्रा में गूंजे जयकारे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो शारदीय नवरात्रि में नगर में मां की भक्ति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति विद्यानगर के तत्वावधान में पंचमी की शाम 4 बजे ज्वाला देवी मंदिर से नगर की आराध्य बड़ी खेरमाई मां के मंदिर तक 551 मीटर लंबी भव्य चुनरी यात्रा निकाली गई। गाजे-बाजे, ढोल-धमाकों, आतिशबाजी और माता के जयकारों के बीच निकली यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा नगर भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया। यात्रा में महिलाएं, युवा और बच्चे उत्साह के साथ शामिल हुए। श्रद्धालु लंबी चुनरी लेकर आगे बढ़े



और ‘जय माता दी’ व ‘मां बड़ी खेरमाई की जय’ के जयघोष से वातावरण गुंजायमान कर दिया। ज्वाला देवी मंदिर से शुरू हुई यात्रा बस स्टैंड और तहसील कार्यालय सहित नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए बड़ी खेरमाई मंदिर पहुंची। यहां विधि-विधान से चुनरी मां को अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर नगर और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। चुनरी यात्रा की शुरुआत वर्ष 2023 में 151 मीटर लंबी चुनरी के साथ हुई थी। श्रद्धालुओं के सहयोग और उत्साह से इसका स्वरूप लगातार भव्य होता गया। इस बार 551 मीटर की चुनरी ने आयोजन को विशेष आकर्षण

विकास को मिलेगी रफ्तार, अवैध गतिविधियों पर कसेगा शिकंजा

नवागत कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने पत्रकारों से की चर्चा, तकनीक के इस्तेमाल और पुराने नवाचारों को आगे बढ़ाने पर रहेगा जोर

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो जिले के विकास कार्यों को गति देने के साथ प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना नवागत कलेक्टर आशीष वशिष्ठ की प्राथमिकता रहेगी। सूचना प्रौद्योगिकी में सुधार, जनसुविधाओं का विस्तार और पूर्व से संचालित विकास कार्यों व नवाचारों को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। गुरुवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान कलेक्टर ने अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। कलेक्टर वशिष्ठ ने कहा कि विकास योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और



आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक सुधार किए जाएंगे। प्रशासनिक कामकाज में तकनीक का प्रभावी उपयोग बढ़ाकर व्यवस्थाओं को अधिक सुगम, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाने का प्रयास रहेगा। जिले में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए

पुलिस, राजस्व, आबकारी, कृषि और खनिज विभाग सहित संबंधित विभागों की संयुक्त टीमों गठित कर कार्रवाई की जाएगी। विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अवैध गतिविधियों की रोकथाम और संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि जिले का समग्र विकास सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। इसमें प्रशासन के साथ समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। उन्होंने पत्रकारों से जिले के विकास को लेकर सुझाव देने की अपील करते हुए कहा

जनसहभागिता से बदलेगी तस्वीर

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ जिले में विकास कार्यों को गति देने के साथ प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर देंगे। सूचना प्रौद्योगिकी का बेहतर इस्तेमाल कर आमजन को सुविधाएं उपलब्ध कराने और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। पूर्व से संचालित विकास कार्यों और नवाचारों को भी आगे बढ़ाया

जाएगा। अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस, राजस्व, आबकारी, कृषि और खनिज विभाग मिलकर कार्रवाई करेंगे। वहीं, जिले के विकास में मीडिया और समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर रहेगा। कलेक्टर ने पत्रकारों से सुझाव मागे हैं, ताकि स्थानीय ज़रूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

कार्यों को और बेहतर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

सीएम के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, ऐतिहासिक-धार्मिक धरोहर की सुरक्षा के लिए उठाई आवाज

तारणगिरी गुफा में तोड़फोड़ और चोरी पर जैन समाज में आक्रोश

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

सिरोंज के सेमलखेड़ी स्थित तारणगिरी गुफा में तोड़फोड़, दान राशि की चोरी और धर्मग्रंथों को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना से जैन समाज में आक्रोश व्याप्त है। घटना के विरोध में शुक्रवार को सकल जैन समाज गंजबासौदा ने मुख्यमंत्री के नाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और गुफा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

जानकारी के अनुसार, परम पूज्य आचार्य श्रीमद् जिन तारण तरण स्वामीजी की तपोभूमि सेमलखेड़ी, सिरोंज स्थित तारणगिरी गुफा में 9 और 10 अक्टूबर की दरम्यानी रात असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ कर दान राशि चोरी करने और धर्मग्रंथों को नुकसान पहुंचाने की घटना सामने आई थी। समाजजनों ने इसे धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक विरासत पर आघात बताया। ज्ञापन सौंपने के लिए समाजजन अब्देकर चौक स्थित जैन चेत्यालय पर एकत्रित हुए। यहां से रैली के रूप में



एसडीएम कार्यालय पहुंचे और ज्ञापन सौंपा। समाज ने घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

जैन समाज ने प्रशासन से तारणगिरी गुफा परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। समाजजनों का कहना है कि यह स्थल धार्मिक आस्था के साथ ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। इसकी विरासत को सुरक्षित रखना आवश्यक है। समाज ने प्रशासन से मामले को गंभीरता से

लेकर शीघ्र कार्रवाई करने और धार्मिक स्थल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

धार्मिक आस्था पर आघात से नाराजगी

तारणगिरी गुफा में तोड़फोड़, दान राशि की चोरी और धर्मग्रंथों को क्षतिग्रस्त किए जाने की घटना ने जैन समाज को नाराज कर दिया है। समाजजनों ने इसे केवल चोरी या संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक धरोहर से जुड़ा गंभीर विषय बताया। उनका कहना है कि ऐसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए प्रशासन को विशेष

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में 7 अक्टूबर को छोड़े गए चीते

जंगल में कब दौड़ेंगे व्योम और मीरा?

फिलहाल बाड़े में ही हो रही है निगरानी

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में लाए गए चीता जोड़े व्योम और मीरा को फिलहाल खुले जंगल में विचरण करने का इंतजार है। पिछले सप्ताह 7 अक्टूबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा निर्धारित बाड़े में छोड़े गए दोनों चीते अभी वन विभाग की निगरानी में वहीं रखे गए हैं। उनके स्वास्थ्य, व्यवहार और नए वातावरण के अनुकूलन पर लगातार नजर रखी जा रही है।

बाड़े में छोड़े जाने के बाद दोनों चीतों को नए परिवेश के अनुसार ढलने का समय दिया जा रहा है। वन विभाग की टीम उनकी गतिविधियों, खान-पान और स्वास्थ्य की नियमित निगरानी कर रही है। विशेषज्ञों और अधिकारियों द्वारा उनकी स्थिति का आकलन किया जा रहा है। इसी के आधार पर आगे की प्रक्रिया निर्धारित होगी। वन विभाग चीतों को तत्काल खुले जंगल में छोड़ने के बजाय चरणबद्ध तरीके से उनके



अनुकूलन पर ध्यान दे रहा है। फिलहाल दोनों चीते निर्धारित बाड़े में सुरक्षित हैं। उन्हें बड़े क्षेत्र में छोड़ने का निर्णय उनकी स्थिति और संबंधित दिशा-निर्देशों के आधार पर लिया जाएगा। चीता जोड़े के आने से टाइगर रिजर्व में वन्यजीव संरक्षण को लेकर नई उम्मीद जगी है। वहीं, वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों में भी चीतों को खुले जंगल में विचरण करते देखने की उत्सुकता बनी हुई है।

दिल्ली से मिलने वाले निर्देशों का इंतजार वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. रजनीश कुमार ने बताया कि दोनों चीते अभी बाड़े में ही हैं। चीतों के संबंध में आगे जो भी दिशा-निर्देश जारी होंगे, वे दिल्ली से प्राप्त होंगे। उन्होंने निर्देशों के अनुसार आगे की व्यवस्था और प्रक्रिया तय की जाएगी। फिलहाल दोनों चीतों की निगरानी और देखरेख जारी है।

कार्यालय, पुलिस अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण शाला (एमटी), भोपाल (म.प्र.)

पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव एवं गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर पुलिस (गृह) विभाग की ओर से संभावित चलित झांकी का निर्माण कार्य के लिये आवश्यकतानुसार विविध प्रकार की सामग्री क्रय करने हेतु 03 माह के लिए अनुबंध हेतु

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पी०टी०एस० (एमटी), पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा पुलिस विभाग के वाहनों के रख-रखाव एवं गणतंत्र दिवस 2027 के अवसर पर पुलिस (गृह विभाग) की ओर से संभावित चलित झांकी का निर्माण कार्य के लिये आवश्यकतानुसार विविध प्रकार की सामग्री क्रय करने हेतु 03 माह के लिए दर अनुबंध किये जाने हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित की गई है। नियम एवं शर्तें तथा अनुबंध की विस्तृत जानकारी mptenders.gov.in तथा www.mppolice.gov.in की वेबसाइट पर प्राप्त की जा सकती है।

निविदा प्रकाशन की दिनांक	14/10/2026 के 17:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	14/10/2026 के 18:00 बजे
प्री-बिड मीटिंग दिनांक	16/10/2026 के 11:00 बजे
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	19/10/2026 के 11:00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	04/11/2026 के 14:00 बजे
तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	05/11/2026 के 16:00 बजे

न्यूज विंडो

बीना में अवैध रूप से भंडारित 7 लाख से अधिक के 150 कर्मर्शियल गैस सिलेंडर जप्त



सागर। कृषि उपज मंडी बीना के समीप साहनी पेट्रोल पंप के सामने स्थित धमेंद्र अग्रवाल के गोदाम, मकान से बीपीसीएल कंपनी के 150 कर्मर्शियल गैस सिलेंडर जप्त किए गए। इनमें 19 किलोग्राम एवं 5 किलोग्राम के कर्मर्शियल गैस सिलेंडर शामिल हैं। जप्त सिलेंडरों की कुल कीमत 7 लाख 81 हजार 500 रुपए है। यह कार्यवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी राजेश पटेल ने की. उक्त सिलेंडर सर्वश्रेष्ठ गैस एजेंसी, सागर से मेसर्स अग्रवाल ट्रेडर्स द्वारा मंगाए गए थे। इन्हें बीना रिफाइनरी में वितरित किया जाना बताया जा रहा था। मामले में द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश, 2000 के तहत प्रकरण निर्मित किया गया है।

अज्ञात कारणों के चलते नाबालिग युवती ने लगाई फांसी, पुलिस जांच में जुटी

तेंदूखेड़ा। तारादेही थाना क्षेत्र के ग्राम पौड़ी में 17 वर्षीय युवती की मौत का मामला सामने आया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मृतका की पहचान दिव्या पिता नवल सिंह लोधी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, घटना के समय परिवार के सदस्य खेत में धान की कटाई कर रहे थे। इसी दौरान युवती के पिता खाना खाने घर पहुंचे। दरवाजा बंद मिलने पर उन्होंने दिव्या को आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। घर के ऊपर बने कमरे में युवती फंदे पर मिली। पुलिस ने पंचनामा कार्यवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया की गई। युवती की मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सप्त नदियों के जल से निकली चुनरी कलश यात्रा, जयकारों से गूंजा क्षेत्र



धार। 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है...' के भक्तिमय जयघोष के बीच कचहरी पिपल्या से दिग्गहन स्थित मालवा की वैष्णोदेवी मां दिग्गहनवाली माता के दरबार तक भव्य चुनरी कलश यात्रा निकाली गई। सप्त नदियों के जल से भरे कलश धारण कर महिलाएं और युवतियां यात्रा में शामिल हुईं। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में निकली यात्रा से पूरा क्षेत्र माता के जयकारों और भजनों से गूंज उठा। रास्तेभर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। चुनरी कलश यात्रा में सुबह से ही श्रद्धालुओं का उत्साह देखने को मिला। कचहरी पिपल्या से दिग्गहन तक मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ जुटी रही। विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच बनाए गए थे, जहां पुष्पवर्षा कर यात्रियों का अभिनंदन किया गया। सिर पर कलश धारण कर माता के धारणकारे लगाते श्रद्धालुओं ने पूरे मार्ग को भक्तिमय बना दिया। मां के दर्शन और पूजन को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा।

आज से गुंजेगी डांडिया की खनक, ‘अंतर्नाद 2.0’ गरबा महोत्सव का आगाज

नरसिंहपुर। शारदेय नवरात्रि के अवसर पर मां जगत जननी की आराधना और भारतीय लोक संस्कृति को समर्पित दो दिवसीय गरबा-डांडिया महोत्सव ‘अंतर्नाद 2.0’ का आयोजन 16 और 17 अक्टूबर को किया जाएगा। एमआईएमटी कॉलेज परिसर में आयोजित होने वाले इस सांस्कृतिक उत्सव में भक्ति, उल्लास और पारंपरिक परिधानों की रंगत देखने को मिलेगी। एमआईएमटी कॉलेज द्वारा प्रतिवर्ष गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी गरबा-डांडिया की विशेष संध्या आयोजित की जा रही है। आयोजन में पारंपरिक लोक शैली में मां शक्ति की आराधना के साथ नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का माहौल बनेगा। यह आयोजन एमआईएमटी कॉलेज, ए एंड आर कंस्ट्रक्शन तथा कृष्ण अवतार फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। महाविद्यालय परिवार और आयोजन समिति ने शहरवासियों से कार्यक्रम में शामिल होकर उत्सव की गरिमा बढ़ाने की अपील की है।

तीन महीने से लापता 13 वर्षीय बालिका धुलसर से मिली, आरोपी गिरफ्तार

धार। कुक्षी पुलिस ने करीब तीन महीने से लापता 13 वर्षीय नाबालिग बालिका को ग्राम धुलसर से सकुशल दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मामले में दुष्कर्म के आरोपी 18 वर्षीय सावन चौहान को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, बालिका के लापता होने की रिपोर्ट 12 जुलाई 2026 को निसरपुर पुलिस चौकी में दर्ज कराई गई थी। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में गठित टीम ने मुखबिर की सूचना, तकनीकी साक्ष्यों और साइबर सेल की मदद से 14 अक्टूबर को बालिका को खोज निकाला। पीड़िता के कथनों के आधार पर प्रकरण में बीएसएफ और पॉक्सो एक्ट की गंभीर धाराएं जोड़ी गईं। आरोपी को 15 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाई में निसरपुर चौकी पुलिस और साइबर सेल धार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनवरी तक पानी की चिंता नहीं, लेकिन सिंचाई की तो होगी कार्रवाई!

धार के काल भैरव और दिलावरा तालाब का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, पेयजल स्रोतों से अवैध मोटर हटाने के निर्देश

धार। दोपहर मेट्रो
अल्पवर्षा के बीच शहर की पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने जल स्रोतों की निगरानी तेज कर दी है। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने गुरुवार को काल भैरव और दिलावरा तालाब का औचक निरीक्षण कर जल भंडारण और आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की। अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा स्थिति में इन तालाबों में जनवरी तक शहर की पेयजल जरूरतों के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध है। कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रमुख पेयजल स्रोतों के पानी का



उपयोग किसी भी स्थिति में सिंचाई के लिए नहीं किया जाए। तालाबों से अवैध रूप से पानी खींचने के लिए मोटर लगाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने

अधिकारियों को जल भंडारण का उपयोग केवल पेयजल आपूर्ति के लिए सुनिश्चित करने को कहा, ताकि नागरिकों को नियमित और पर्याप्त पानी मिल सके।

धार के चौबारा गांव में पुलिस की चार दिन चली कार्रवाई

कपास की आड़ में उगा रखा था गांजा 4.43 करोड़ रुपए की फसल जब्त

3,345 पौधे और 3,695 किलो से अधिक गांजा बरामद; आरोपी फरार धार। दोपहर मेट्रो

जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र की तिरला चौकी अंतर्गत ग्राम चौबारा में पुलिस ने अवैध गांजे की खेती का बड़ा मामला पकड़ा है। यहां कपास की फसल के बीच छिपाकर गांजे के पौधे उगाए जा रहे थे। मुखबिर की सूचना पर कार्यवाई करते हुए पुलिस ने चार दिन तक अभियान चलाकर गांजे के 3,345 पौधे जब्त किए। इनका कुल वजन 3,695.15 किलोग्राम और अनुमानित बाजार मूल्य 4 करोड़ 43 लाख 41 हजार 800 रुपए बताया गया है। पुलिस के अनुसार, ग्राम चौबारा निवासी राजू भूरिया पिता झूमरसिंह भूरिया के खेत में कपास की फसल के बीच गांजे के पौधे लगाए गए थे। अवैध खेती का पता चलने पर राजगढ़ पुलिस और तिरला चौकी की टीम ने खेत पर दबिश दी। कार्यवाई का दायरा बढ़ा होने के कारण अन्य थानों का



पुलिस बल भी मौके पर मौजूद रहा।

चार दिन चली कटाई, जब्ती

गांजे के पौधों की कटाई, गिनती, वजन और जब्ती की प्रक्रिया पूरी करने में पुलिस को चार दिन लगे। इस दौरान बड़ी संख्या में मजदूरों की मदद ली गई। गुरुवार रात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी राजू भूरिया फरार है। उसकी तलाश में संभावित

ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अवैध खेती में अन्य लोग शामिल थे या नहीं और गांजे की आपूर्ति कहां की जानी थी।

खेती से लेकर सप्लाई नेटवर्क तक जांच

ग्राम चौबारा में गांजे की अवैध खेती का मामला सामने आने के बाद पुलिस अब इसके संभावित नेटवर्क की पड़ताल कर रही है। मुख्य आरोपी राजू भूरिया की

तलाश में पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि खेती में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका थी या नहीं। साथ ही, इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की फसल तैयार करने के पीछे उद्देश्य और इसकी संभावित सप्लाई के ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच आगे बढ़ने पर मामले में अन्य तथ्य सामने आ सकते हैं।

चार घंटे में लूट का आरोपी गिरफ्तार नकदी और आधार कार्ड भी बरामद

मनावर में अर्धेड़ से मारपीट कर 3 हजार रुपए लूटे थे, न्यायालय ने भेजा जेल

घार। दोपहर मेट्रो

मनावर में मारपीट कर लूट की वारदात को अंजाम देने वाले 19 वर्षीय आरोपी को पुलिस ने त्वरित कार्यवाई करते हुए प्रकरण दर्ज होने के महज चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से लूटे गए तीन हजार रुपए नकद और फरियादी का आधार कार्ड बरामद किया गया है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, 13 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे जूनी मनावर में सती माता मंदिर के पास नाले के समीप विशाल पिता कड़वा गौतम यादव (50), निवासी जूनी मनावर के साथ मारपीट कर लूट की गई थी। आरोपी फरियादी से तीन हजार रुपए और आधार कार्ड छीनकर फरार हो गया था। घटना के अगले दिन फरियादी ने थाना मनावर पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की।



भूमिका रही। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

मेट्रो एंकर

भक्ति, संस्कृति और उत्साह का अनूठा संगम; देवी स्तुति से लेकर महा-गरबा तक रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन

करताल, थाल, डफली और मशाल रास से सजा ‘काया गरबा 6.0’

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो
काया इंटरनेशनल योग स्टूडियो के तत्वावधान में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव ‘काया गरबा 6.0’ भक्ति, उल्लास और भारतीय परंपराओं के रंगों के बीच संपन्न हुआ। संस्था की फाउंडर इंदु सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित महोत्सव में महिलाओं ने पारंपरिक गुजराती गरबा गीतों पर करताल, थाल, डफली और मशाल रास की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां अम्बे के पूजन, दीप प्रज्वलन और सामूहिक महाआरती से हुई। इसके बाद जूही सिंह और यशिता कौशिक ने शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से देवी स्तुति प्रस्तुत की। प्रसिद्ध एंकर याशना तिवारी ने मंच संचालन किया। समारोह में समाजसेवा और विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया।



गरबा प्रस्तुतियों में सुपर वीमेन ग्रुप ने ऊर्जावान करताल रास, दूसरे समूह ने थाल रास और महिलाओं की टीम ने डफली रास प्रस्तुत कर समां बांधा। इसके बाद काया परिवार की महिलाओं ने साहसिक मशाल रास से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। प्रतिभागियों के अभ्यास और अनुशासन की सराहना की गई। अंत में अतिथियों, प्रतिभागियों और दर्शकों ने

सामूहिक महा-गरबा में हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न और उपहार दिए गए। इंदु सिंह ने सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा कि काया गरबा महिलाओं को स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और संस्कृति से जोड़ने का उत्सव है। अगले वर्ष काया गरबा 7.0 को और भव्य बनाने के संकल्प के साथ आयोजन संपन्न हुआ।

महिलाओं के सम्मान, संस्कृति को समर्पित रहा उत्सव
काया गरबा 6.0 में नृत्य और भक्ति के साथ महिला सशक्तीकरण को भी प्रमुखता दी गई। समाजसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं का आत्मीय अभिनंदन किया गया। सम्मानित महिलाओं में लेखिका दीप्ति कुशवाहा, भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष निशा सोनी, महिला पतंजलि योग समिति की जिला महामंत्री सुष्मा मिश्रा और भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष भारती कौरव सहित कई महिलाएं शामिल रहीं। आयोजकों का उद्देश्य महिलाओं को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने उत्साह और अनुशासन के साथ प्रस्तुतियां दीं। अंत में सभी ने सामूहिक महा-गरबा में भाग लेकर उत्सव को यादगार बनाया।

पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता में उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राएं अबल



अब इंदौर में राज्य स्तरीय मंच पर करेंगी नरसिंहपुर का प्रतिनिधित्व

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एनपीईपी) के अंतर्गत आयोजित जिला स्तरीय राष्ट्रीय रोल-प्ले प्रतियोगिता में शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। छात्राओं ने ‘पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता’ विषय पर प्रभावी प्रस्तुति देकर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। अब विजेता टीम इंदौर में होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का

प्रतिनिधित्व करेगी। 15 अक्टूबर को डाइट नरसिंहपुर में आयोजित प्रतियोगिता जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के निर्देशन और विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा के मार्गदर्शन में हुई। इसमें कक्षा नौवीं की छात्राएं रितु उदेनिया, मोनिका विश्वकर्मा, इरम कुर्शी, वंशिका पटेल और नवजोत कौर ने अभिनय, संवाद और विषय की सशक्त अभिव्यक्ति के जरिए अपनी क्षमता दिखाई। प्रतियोगिता में एमएलबी कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय की टीमों ने भाग लिया।

गंभीर की कोचिंग में वैभव सूर्यवंशी को नजरअंदाज करने का खेल ?

लक्ष्मण के आते ही बदल जाती है तस्वीर, अब निर्णायक मुकाबले में भी संशय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कम समय में पहचान बनाने वाले वैभव को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार अवसर नहीं मिलना चर्चा का विषय बन गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच चार मुकाबले खेले जा चुके हैं और सीरीज 2-2 से बराबर है। बुधवार, 14 अक्टूबर को खेले गए चौथे टी20 में वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराकर मुकाबले को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा दिया। अब शनिवार, 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में होने वाला पांचवां मुकाबला सीरीज का विजेता तय करेगा। हालांकि, इस मैच में भी वैभव को अंतिम एकादश में जगह मिलने पर संशय बना हुआ है। वैभव शुरुआती चार मुकाबलों में मैदान पर खेलने के बजाय अधिकतर समय पेय-पान के अंतर्गल में टीम के साथ दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर जिस युवा बल्लेबाज ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है, उसे लगातार मौके क्यों नहीं मिल रहे हैं? इस बीच भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और वीवीएस लक्ष्मण के कार्यकाल में वैभव को मिले अवसरों के आंकड़े भी चर्चा में हैं।



गंभीर के कार्यकाल में कम मौके, लक्ष्मण के समय चमके वैभव

वैभव सूर्यवंशी के भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल होने के बाद भारत ने कुल 21 मुकाबले खेले हैं। इनमें 14 मैचों में गौतम गंभीर मुख्य कोच रहे, जबकि सात मुकाबलों में वीवीएस लक्ष्मण ने टीम की जिम्मेदारी संभाली। इस दौरान वैभव को मिले अवसरों पर नजर डालें तो दोनों कोचों के कार्यकाल में उनकी भूमिका अलग-अलग दिखाई देती है। गंभीर के मार्गदर्शन में वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इसके बाद जिम्बाब्वे दौरे पर उन्हें लगातार

खेलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से खास छाप छोड़ी। दूसरी ओर, लक्ष्मण के मार्गदर्शन में खेले गए जिम्बाब्वे दौरे और एशियाई खेलों के मुकाबलों में वैभव को अपनी क्षमता दिखाने के अवसर मिले। हालांकि, इन आंकड़ों के आधार पर यह कहना उचित नहीं होगा कि दोनों कोचों के बीच वैभव को अवसर देने की नीति में जानबूझकर अंतर किया गया। टीम चयन में प्रतिद्वंद्वी की परिस्थितियों, खिलाड़ियों के संयोजन और रणनीति की भी भूमिका होती है।

एशियाई खेलों में दो मुकाबले खेले

एशियाई खेलों में भारत का अफगानिस्तान के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया। इसके बाद भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में श्रीलंका और स्वर्ण पदक के मुकाबले में पाकिस्तान को हराया। वैभव ने इन दोनों मुकाबलों में हिस्सा लिया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ 38 और पाकिस्तान के खिलाफ 15 रन बनाए। भारत ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण, लेकिन शुरुआत रही साधारण

वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड दौरे पर पहली बार भारतीय टीम में चुना गया था। इस दौरे पर दो टी20 मुकाबले हुए, लेकिन उन्हें पदार्पण का मौका नहीं मिला। इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा। वैभव ने इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर, नॉटिंघम और बिस्टरल में तीन मुकाबले खेले। इन मैचों में उन्होंने 14 के औसत से 42 रन बनाए। हालांकि, उनका स्ट्राइक रेट 168 रहा, जो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी का संकेत था। इंग्लैंड ने यह सीरीज 4-0 से जीती, जबकि पहला मुकाबला बेनतीजा रहा था। वैभव के करियर में सबसे शानदार मोड़ जिम्बाब्वे दौरे पर आया। संजू सैमसन की अनुपस्थिति में उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने का मौका मिला। वैभव ने इस अवसर का भरपूर फायदा उठाया और तीन मुकाबलों में 151 रन बना डाले। उन्होंने 50.33 के औसत और 196.10 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

बेंगलुरु में मिलेगा मौका या फिर बाहर बैठेंगे वैभव ?

वैभव अब तक आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेल चुके हैं, जिनमें उनके नाम 246 रन हैं। उनका औसत 30.75 है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उनका प्रदर्शन बताता है कि मौका मिलने पर वह तेजी से रन बनाने की क्षमता रखते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांचवें टी20 में वैभव को मौका मिलता है या नहीं, यह देखना दिलचस्प होगा। भारत के लिए यह मुकाबला सीरीज जीतने के लिहाज से बेहद अहम है। ऐसे में टीम प्रबंधन अनुभव, मौजूदा प्रदर्शन और मुकाबले की जरूरतों को ध्यान में रखकर अंतिम एकादश तय कर सकता है। वैभव के प्रशंसकों की निगाहें अब बेंगलुरु पर टिकी हैं। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि वह खेलेंगे या नहीं, बल्कि यह भी है कि भारतीय टीम प्रबंधन इस युवा प्रतिभा को अपनी क्षमता साबित करने के लिए कितना अवसर देता है।

गावस्कर ने भारतीय गेंदबाजों की लगाई क्लास, बोले-

फुलटाँस डालोगे तो पिच का क्या दोष! वेस्टइंडीज से हार के बाद उठाए सवाल

हैदराबाद, एजेंसी

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से मिली हार के बाद गेंदबाजों के प्रदर्शन पर सवाल उठने लगे हैं। हैदराबाद में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों ने 20 ओवर में 247 रन लुटा दिए। इसके बाद बल्लेबाजों ने जीत की कोशिश जरूर की, लेकिन टीम 223 रन तक ही पहुंच सकी। हार के बाद पिच को लेकर चर्चा शुरू हुई तो पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने गेंदबाजों की गलतियों पर सवाल उठाते हुए साफ कहा कि खराब गेंदबाजी के लिए पिच को दोष देना उचित नहीं है। सुनील गावस्कर ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों को पिच के बजाय अपनी गलतियों पर ध्यान देना चाहिए। उनके मुताबिक, गेंदबाजों ने कई मौकों पर गलत लेंथ से गेंदबाजी की, जिसका वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। जियोहॉटस्टर पर चर्चा के दौरान गावस्कर ने कहा कि यदि गेंदबाज फुलटाँस देंगे डालेंगे, तो इसमें पिच की क्या गलती है?



शाई होप के शतक ने भारतीय गेंदबाजों को किया बेहाल

मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी की और तीन विकेट पर 247 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। शाई होप ने 50 गेंदों में नाबाद 102 रन की शानदार पारी खेली। वहीं, शिमरॉन हेटमायर ने महज 12 गेंदों में 33 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा दिया। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और भारतीय गेंदबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं

दिया। बड़े स्कोर के कारण भारतीय टीम के सामने जीत के लिए 248 रन का कठिन लक्ष्य था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को संजू सैमसन ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने 23 गेंदों में 56 रन बनाए। इसके बाद मध्यक्रम में कुछ विकेट गिरने से भारत की स्थिति कमजोर हुई। हालांकि, तिलक वर्मा और नीतीश कुमार रेड्डी ने शानदार साझेदारी कर मुकाबले में भारत की वापसी कराई।

कप्तान ने भी मानी गेंदबाजों की रणनीति की अहमियत

भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने माना कि बीच के ओवरों में पिच कुछ धीमी हुई थी और गेंद में अतिरिक्त उछाल भी देखने को मिला। हालांकि, उन्होंने वेस्टइंडीज के गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने परिस्थितियों और क्षेत्ररक्षण के अनुसार अपनी रणनीति में बदलाव किया। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से बराबरी कर ली है। अब निर्णायक मुकाबले में भारतीय टीम के सामने बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी सुधार करने की चुनौती होगी। गावस्कर की टिप्पणी ने साफ कर दिया है कि बड़े लक्ष्य वाले मुकाबलों में केवल पिच को दोष देने के बजाय सही लेंथ, सटीक रॉकर और अनुशासित गेंदबाजी बेहद जरूरी है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

कभी निर्देशक ने कहा था ‘अभिनेत्री बनने लायक नहीं’

मुंबई। हिंदी सिनेमा की ‘ड्रीम गर्ल’ हेमा मालिनी ने अपनी खूबसूरती, शानदार नृत्य और दमदार अभिनय से दशकों तक दर्शकों के दिलों पर राज किया है। 1970 और 1980 के दशक में उनकी लोकप्रियता ऐसी थी कि बड़े-बड़े निर्माता उन्हें अपनी फिल्मों में लेना चाहते थे। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि करियर की शुरुआत में उन्हें एक फिल्म से बाहर कर दिया गया था। निर्देशक ने उन्हें यहां तक कहा दिया था कि वह अभिनेत्री बनने के योग्य नहीं हैं। हालांकि, हेमा ने हार नहीं मानी और आगे चलकर फिल्म दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई।

फिर ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने अपने हुनर से जीत लिया पूरा बॉलीवुड



आज जन्मदिन मना रही हेमा, 13 साल की उम्र में लगा था बड़ा झटका

हेमा मालिनी का जन्म 16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु में हुआ था। उनकी मां जाया चक्रवर्ती फिल्म निर्माण से जुड़ी थीं। घर में कला और फिल्मों का माहौल होने के कारण हेमा की रुचि भी अभिनय और नृत्य में बढ़ने लगी। उनकी मां चाहती थीं कि वह शास्त्रीय नृत्य में महारत हासिल करें। कम उम्र में ही हेमा को तमिल फिल्म ‘वैत्रिा अर्दाई’ में काम करने का अवसर मिला। निर्देशक सीवी श्रीधर ने शुरुआत में उन्हें फिल्म के लिए चुन लिया था और उनके कुछ दृश्य भी फिल्माए गए। लेकिन बाद में उन्हें फिल्म से हटा दिया गया। हेमा के अनुसार, निर्देशक ने उनके दुबले-पतले शरीर को इसकी वजह बताते हुए कहा था कि वह अभिनेत्री बनने के लायक नहीं हैं।

‘सीता और गीता’ ने बदल दी किस्मत

वर्ष 1970 में आई ‘जॉनी मेरा नाम’ से हेमा की लोकप्रियता में तेजी से इजाफा हुआ। इसके बाद 1972 में रिलीज हुई ‘सीता और गीता’ उनके करियर की सबसे महत्वपूर्ण फिल्मों में शामिल हो गईं। फिल्म में जुड़वां बहनों की दो अलग-अलग भूमिकाएं निभाकर उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता साबित की। इस फिल्म के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का फिल्मफेयर पुरस्कार भी मिला। इसके बाद ‘शोले’, ‘ड्रीम गर्ल’, ‘खुशबू’, ‘फिनारा’ और ‘मीरा’ जैसी फिल्मों में उन्होंने अपनी प्रतिभा के विविध रंग दिखाए। ‘शोले’ की बसंती आज भी दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय है। हेमा मालिनी ने अपने लंबे फिल्मी सफर में लगभग 150 फिल्मों में काम किया। अभिनय और शास्त्रीय नृत्य के अलावा उन्होंने निर्देशन और राजनीति में भी अपनी पहचान बनाई। वह मशहूर लोकसभा सांसद भी हैं।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली । भारत का रत्न और आभूषणों का निर्यात सितंबर में 9.43 प्रतिशत बढ़कर 2.95 अरब डॉलर हो गया है, जो कि पिछले वर्ष समान अवधि में 2.69 अरब डॉलर था। यह जानकारी गुरुवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई। कामा ज्वेलरी की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल-सितंबर 2026 के दौरान कुल निर्यात 3.07 प्रतिशत बढ़कर 14.30 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी अवधि में

भारत का रत्न और आभूषणों का निर्यात सितंबर में 9.43% बढ़ा

13.87 अरब डॉलर था। वहीं, वित्त वर्ष की पहली छमाही में सकल आयात सालाना आधार पर 5.29 प्रतिशत बढ़कर 11.04 अरब डॉलर हो गया है, जबकि सितंबर में यह 25.48 प्रतिशत बढ़कर 2.07 अरब डॉलर हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया, यह सुधार भारतीय रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए अच्छा है, क्योंकि यह क्षेत्र लंबे समय से वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि रत्न और आभूषणों के निर्यात और आयात दोनों में आई तेजी एक सकारात्मक संकेत है। इसके पीछे घरेलू स्तर पर त्योहारों के दौरान रही

मांग और वैश्विक स्तर पर आने वाले छुट्टियों के सीजन का योगदान है। रिपोर्ट के अनुसार, हীর के निर्यात के मूल्य में गिरावट आई है, लेकिन मात्रा में वृद्धि हुई है। इसका मतलब यह है कि प्रति कैरेट मिलने वाली कीमत कम हुई है, न कि हীরे की वास्तविक मांग में कोई कमी आई है। कच्चे हिरों के आयात में वृद्धि भारत के सबसे बड़े हिरा प्रसंस्करण केंद्र के रूप में इसकी प्रमुखता को रेखांकित करती है और इस प्रवृत्ति के और मजबूत होने की संभावना है। सादे सोने के आभूषणों का प्रदर्शन सोने की ऊंची कीमतों से प्रभावित रहा।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील अंतिम चरण में, रुबियो की भारत यात्रा से पहले हो सकता है ऐलान : गोर

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और अब केवल कुछ शेष बिंदुओं पर बातचीत जारी है। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने यह जानकारी दी। नई दिल्ली में आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम में बोलते हुए गोर ने कहा कि प्रस्तावित समझौते का व्यापक ढांचा लगभग तैयार हो चुका है और उन्हें भरोसा है कि दोनों देश जल्द ही इसे अंतिम रूप दे देंगे। उन्होंने कहा, +बड़ी तस्वीर, व्यापक ढांचा और प्रमुख मुद्दों पर काम पूरा हो चुका है।+ इस बीच, उन्होंने इन वार्ताओं को दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच होने वाली सबसे तेजी से आगे बढ़ रही व्यापार चर्चाओं में से एक बताया।

गोर ने कहा कि बातचीत अब उत्पाद-विशिष्ट और शुल्क स्तर से जुड़े मुद्दों तक पहुंच चुकी है, जिसमें अमेरिका

के व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर और भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। उन्होंने माना कि दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत स्वाभाविक रूप से जटिल होती है, लेकिन दोनों देश समझौते को अंतिम रूप देने के बहुत करीब हैं। द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती पर प्रकाश डालते हुए अमेरिकी राजदूत ने भारत को अमेरिका का एक भरोसेमंद रणनीतिक साझेदार बताया। उन्होंने उपरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में पहल को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की सराहना की और कहा कि भारत उन शुरुआती देशों में शामिल रहा है, जिन्हें महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी साझेदारियों में आमंत्रित किया गया। गोर ने कहा कि ऑटोफिशियल इंटील्लिजेंस (एआइ), प्रौद्योगिकी विकास, स्वच्छ ऊर्जा और असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्रों में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के लिए नए अवसर पैदा करेगा।



मुंबई। अभिनेत्री अमृता अरोड़ा इन दिनों अपने बदले हुए लुक को लेकर चर्चा में हैं। मलाइका अरोड़ा की बहन अमृता ने हाल ही में काले रंग की छोटी पोशाक में अपनी तस्वीर साझा की, जिसे देखकर उनके प्रशंसक हैरान रह गए। तस्वीरों में उनका अंदाज और बदला हुआ रूप लोगों का ध्यान खींच रहा है। सोशल मीडिया पर उनके बदलाव की चर्चा हो रही है और प्रशंसक जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अमृता अरोड़ा ने अपनी तस्वीर में काले रंग की पोशाक पहनी हुई है। हल्का श्रृंगार और गहरे लाल रंग की लिपस्टिक उनके रूप को खास बना रहे हैं। तस्वीर सामने आने के बाद प्रशंसकों ने उनके बदले हुए रूप पर खूब प्रतिक्रियाएं दीं।

अमृता अरोड़ा का बदला अंदाज, तस्वीरें देख हैरान हुए प्रशंसक; कभी वजन को लेकर हुई थीं ट्रोल्स

मलाइका अरोड़ा, शनाया कपूर और सीमा सजदेह सहित उनके कई दोस्तों ने भी उनके अंदाज की तारीफ की। किसी ने उन्हें बेहद खूबसूरत बताया, तो किसी ने उनके आकर्षक रूप की सराहना की। अमृता की तस्वीर पर कई लोगों ने उनके शारीरिक बदलाव को लेकर सवाल किए। एक प्रशंसक ने पूछा कि इतने कम समय में उन्होंने इतना वजन कैसे घटाया। वहीं, अन्य लोगों ने उनके बदलाव को चौंकाने वाला बताया और उनकी खूबसूरती की तारीफ की। हालांकि, अमृता ने अपने इस बदलाव

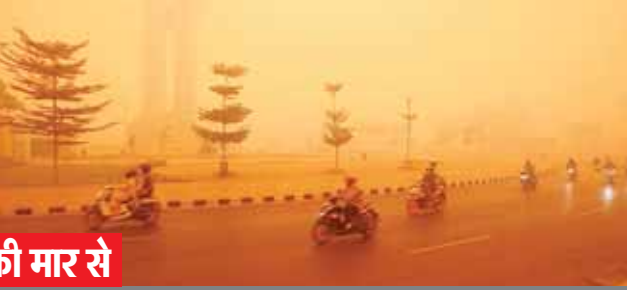


के पीछे किसी खास तरीके या योजना का खुलासा नहीं किया है। ऐसे में उनके प्रशंसकों के बीच यह जानने की

उत्सुकता बनी हुई है कि उनके रूप में आए इस बदलाव की वजह क्या है। अमृता अरोड़ा को वर्ष 2022 में करण जौहर की 50वां जन्मदिन पार्टी में शामिल होने के बाद सामाजिक माध्यमों पर आलोचना का सामना करना पड़ा था। उस समय उनके वजन और उम्र को लेकर कुछ लोगों ने आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसके बाद अमृता ने एक पोस्ट के जरिए आलोचना करने वालों को जवाब दिया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह इस तरह की टिप्पणियों की परवाह नहीं करती।



अल-नीनो की मार से



धधक रहा इंडोनेशिया

जंगलों में भीषण आग, पीला-नारंगी हुआ आसमान

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया में जंगलों में लगी आग से हल्लात गंभीर हो गए हैं। सुमात्रा और कालीमंत द्वीपों के कई इलाकों में आग फैल रही है। इससे आसमान में घना धुआं छा गया है और कई जगह आसमान नारंगी दिखाई दे रहा है। इस आग से उठने वाला धुआं अब मलेशिया और सिंगापुर तक पहुंच रहा है। इससे वहां भी हवा खराब हो रही है और लोगों की सेहत पर खतरा बढ़ रहा है। मौसम में बदलाव और बढ़ते सूखे के बीच जंगलों में आग फैलने की समस्या और गंभीर हो गई है। इस पूरे मामले में अल-नीनो की अहम भूमिका है। अल-नीनो के कारण दुनिया के कई हिस्सों में मौसम का सामान्य पैटर्न बदल जाता है। अल-नीनो प्रशांत महासागर के पानी के तापमान में होने वाला बदलाव है। इसका असर दुनिया के अलग-अलग देशों में बारिश और तापमान पर पड़ता है। जब किसी इलाके में लंबे समय तक बारिश नहीं होती और गर्मी बढ़ती है, तो पेड़-पौधे और जमीन सूखने लगते हैं। ऐसे में आग लगने पर उसे रोकना मुश्किल हो जाता है।

न्यूज विडो

वैशाली नाव हादसा: राघोपुर के अंचल अधिकारी दीपक कुमार हटाए गए

वैशाली। बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर के रामपुर श्यामचंद गांव में नाव डूबने से 13 मासूम बच्चों की मौत के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों में अंचल प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश था। ग्रामीणों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार अधिकारियों को हटाने की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। उन्होंने राघोपुर के अंचल अधिकारी दीपक कुमार को उनके पद से हटाकर जिला जन शिकायत कोषांग, वैशाली में प्रतिनियुक्त कर दिया है। वहीं, जिलाधिकारी की ओर से जारी आदेश के अनुसार, पातेपुर के अंचल अधिकारी प्रभात को उनके वर्तमान कार्यों के साथ राघोपुर अंचल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

नाबालिग जुड़वां बेटियों से दुष्कर्म के आरोप में पिता गिरफ्तार

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में नाबालिग जुड़वां बेटियों से कथित दुष्कर्म के गंभीर मामले में पुलिस ने उनके पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, मेडिकल रिपोर्ट पर चिकित्सा विशेषज्ञों की अंतिम राय मिलने के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई। इस मामले में महिला पुलिस थाना धर्मशाला में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। वहीं, एक स्वयंसेवी संस्था ने शुरुआत में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि मामले में गंभीर धाराएं लगाने और कार्रवाई करने में देरी हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बच्चियों के साथ कथित दुष्कर्म की घटना 3 अक्टूबर को होने का आरोप है। चाइल्ड लाइन के माध्यम से मामला सामने आने के बाद 7 अक्टूबर को महिला पुलिस थाना धर्मशाला में प्राथमिकी दर्ज की गई।

पंजाब में नशे का विरोध करने पर माड़ी पन्तवां में युवक की हत्या

बटाला। पंजाब में नशे का विरोध करने पर एक और युवक की हत्या का मामला सामने आया है। वारदात बटाला के श्री हरगोविंदपुर के माड़ी पन्तवां गांव में हुई। नशे का विरोध करने पर 40 साल के बिक्रमजीत सिंह पर तेजधार हथियार से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। हमले में दो अन्य गंभीर घायल हुए हैं। नशे का विरोध करने पर पंजाब में तीन दिन में दूसरी हत्या से सनसनी फैल गई है। इससे पहले मंगलवार को मानसा में नशे के खिलाफ बड़े स्तर पर सामाजिक मुहिम चलाने वाले मशहूर नशा विरोधी एक्टिविस्ट परमिंदर सिंह झोटा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस जानलेवा हमले में उनके साथ मौजूद तीन अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हुए थे। मामले के मुख्य आरोपी मेडिकल स्टोर मालिक को पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है।

छतरपुर में रेप के मामले में गिरफ्तार करने पहुंची थी पुलिस

आरोपी ने पुलिस कांस्टेबल को काटा जांच में निकला एचआईवी पॉजिटिव

छतरपुर। एजेंसी

मध्यप्रदेश के छतरपुर में जब पुलिस रेप के आरोपी को पकड़ने गई, तब उसने उसने एक पुलिस कांस्टेबल के हाथ पर काट लिया। इस घटना के बाद पुलिसकर्मों एक अजीब और चिंताजनक स्थिति में आ गए। आरोपी का मेडिकल टेस्ट कराने पर पता चला कि वह एचआईवी पॉजिटिव है। पुलिस कांस्टेबल को खून बहने के कारण तुरंत सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में इलाज और जांच के लिए भेज दिया गया। मध्यप्रदेश के छतरपुर में यह घटना बुधवार को बक्सवाहा थाना क्षेत्र में हुई। पुलिस को

सूचना मिली थी कि एक आरोपी, जिसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी है, इलाके में छिपा हुआ है। गिरफ्तारी से बचने और भागने की कोशिश में, आरोपी ने पुलिस कांस्टेबल के हाथ पर काट लिया। हालांकि, पुलिस ने उसे काबू कर लिया और गिरफ्तार कर लिया, जबकि घायल कांस्टेबल को तुरंत सागर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। एसपी रजत सकलेचा ने बताया कि अस्पताल भेजने से पहले कांस्टेबल के घाव पर प्राथमिक उपचार किया गया था। उन्होंने आगे कहा कि आरोपी के ब्लड टेस्ट से पुष्टि हुई है कि वह एचआईवी संक्रमित है।

बिहार: बेगूसराय में मचा हड़कंप

मारपीट: भाजपा जिलाध्यक्ष और लोजपा नेता समेत चार घायल

बेगूसराय। एजेंसी

बिहार के बेगूसराय जिले के बखरी में मारपीट की एक घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। इस घटना में भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, उनके छोटे भाई संजीव वर्मा और लोजपा नेता अनिल वर्मा समेत चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए बखरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में भर्ती कराया गया है। घटना में एक शिक्षक पर शराब के नशे में मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बखरी में हुई इस घटना में शिक्षक संजय सिंह पर शराब के नशे में धुत होकर मारपीट करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा, उनके छोटे भाई संजीव वर्मा और लोजपा नेता अनिल वर्मा समेत चार लोग घायल हो गए।

मेट्रो एंकर

सीमावर्ती गांवों की बदलेगी तस्वीर, स्थानीय लोगों के लिए खुल रहे रोजगार के अवसर

एलओसी के पास विकास का नया दौर: सड़कें होंगी पक्की

राजौरी । एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले की नौशेरा उपमंडल में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे सेरी ब्लॉक में विकास कार्यों को गति दी जा रही है। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से विभिन्न योजनाओं के तहत गांवों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, सड़क संपर्क बेहतर बनाने और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर काम किया जा रहा है।

विभाग की ओर से गांवों में टाइलें बिछाने, पक्के रास्तों का निर्माण, जमीन का समतलीकरण और सड़क संपर्क सुधारने जैसे कार्य करवाए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं का उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की कमी को दूर करना और लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों

को पूरा करना है। विकास कार्यों से ग्रामीणों को अपने गांवों में ही रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लोगों को दिहाड़ी पर काम मिल रहा है। इससे उन्हें रोजगार की तलाश में अपने घरों और गांवों से दूर नहीं जाना पड़ रहा है। पहले कई लोगों को परिवार का खर्च चलाने के लिए दूसरे क्षेत्रों में काम तलाशना पड़ता था। इन परियोजनाओं से स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। बेहतर सड़क संपर्क से लोगों को जरूरी सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी हो रही है। ग्रामीण विकास विभाग विकसित भारत-रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) सहित विभिन्न योजनाओं के तहत इन कार्यों को आगे बढ़ा रहा है।



खच्चर संचालकों के बीच मामूली विवाद में बिजनौर के एक युवक की मौत

कर्णप्रयाग (चमोली)। चमोली जिले के कर्णप्रयाग थाना क्षेत्र के सेमी गांव में घोड़े-खच्चर का संचालन करने वाले दो लोगों के बीच मामूली बात को लेकर हुआ विवाद खुनी संघर्ष में बदल गया। इस हिंसक झड़प में उत्तर प्रदेश के बिजनौर निवासी 27 वर्षीय सुमित गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बृहस्पतिवार रात की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर कर्णप्रयाग चौकी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया।

हरियाणा: पेड़ से टकराई अनियंत्रित कार, दो सगे भाइयों समेत 3 की मौत

कैथल (हरियाणा)। करनाल रोड पर शुगर मिल के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों समेत तीन युवकों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक अनियंत्रित कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसा इतना गंभीर था कि कार सवार तीनों युवकों की जान चली गई। मृतकों की पहचान खुराना रोड निवासी अभिषेक और रक्षत तथा कलायत निवासी कृष्ण के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा देर रात हुआ था, लेकिन इसकी सूचना पुलिस को शुक्रवार सुबह मिली। सुबह करीब पांच बजे सड़क पर घूमने निकले



एक राहगीर ने दुर्घटनाग्रस्त कार को देखा और पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी रोहताश भी मौके पर पहुंचे।

फर्जी टिकटों से विदेश जाने की कोशिश

अमृतसर एयरपोर्ट पर पकड़े गए शारजाह जाने वाले 16 यात्री

अमृतसर । एजेंसी

अमृतसर के श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर शारजाह जाने वाली उड़ान से सफर करने पहुंचे 16 यात्रियों की टिकटें फर्जी निकलीं। मामले सामने आने के बाद सभी यात्रियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई है। जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि इन यात्रियों की टिकटें किसने तैयार की थीं और इन्हें उपलब्ध करवाने में कौन-कौन शामिल था। जानकारी के मुताबिक, अमृतसर से शारजाह जाने वाली उड़ान में सवार होने से पहले यात्रियों की टिकटों की जांच की जा रही थी। इस दौरान 16 यात्रियों की टिकटें फर्जी पाई गईं। इसके बाद संबंधित एजेंसियों ने सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। एयरपोर्ट पर तैनात विभिन्न जांच एजेंसियां इस बात का पता लगा रही हैं कि सभी 16 यात्रियों ने टिकटें कहाँ से ली थीं।

आपदा प्रबंधन को लेकर भी जागरूकता कार्यक्रम

इस बीच बुधवार को राजौरी में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) ने आपदा प्रबंधन और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें सरकारी स्नातकोत्तर कॉलेज के विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने भाग लिया। एसडीआरएफ कर्मियों ने बाढ़ प्रबंधन, जीवन रक्षक तकनीकों और कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) का प्रशिक्षण दिया ताकि आपदा के समय लोग प्रभावी ढंग से मदद कर सकें।